▪ मार्गशीर्ष कृष्णा - 7 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 129 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 04-12-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

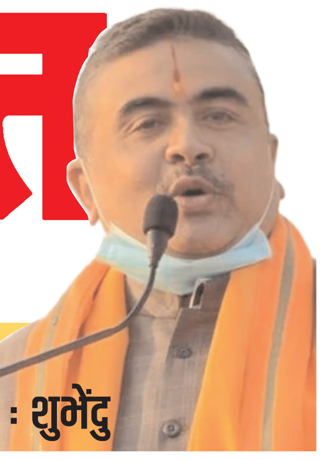

5 देश में केवल प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी काम करती है : नड्डा
6 हिंदी पट्टी में कांग्रेस की पराजय के मायने
7 अब बंगाल में 'मोदी सुनामी' का इंतजार : शुभेंदु

मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना सहित चार राज्यों के चुनावी परिणाम

भाजपा ने फिर साबित की अपनी लोकप्रियता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को अपनी लोकप्रियता का जोरदार प्रदर्शन करते हुये हिन्दी भाषी तीन राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बड़ी जीत दर्ज की।

तेलंगाना सहित चार राज्यों के चुनावों की मतगणना में भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंदी कांग्रेस को राजस्थान और छत्तीसगढ़ में झटका लगा तथा उसने इन दोनों राज्यों में अपनी सरकार गवां दी। कांग्रेस ने हालांक पार्टी ने दक्षिण के एक महत्वपूर्ण राज्य तेलंगाना में एक बड़ी कामयाबी हासिल की जब उसने राज्य के गठन के बाद से 10 साल लगातार सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को उखाड़ फेंका।

भाजपा, जिसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के रथ पर सवाल होकर चारों राज्यों में चुनाव लड़ा, उसने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस से सत्ता छीनी और अपने पुराने गढ़ मध्यप्रदेश में इस बार अभूतपूर्व प्रदर्शन किया और पार्टी सत्ता विरोधी लहर के आकलनों को झुठलाते हुये दो तिहाई से भी अधिक सीटें जीतने की ओर अग्रसर है।

राजस्थान

दल	जीते
भाजपा	115
कांग्रेस	69
अन्य	15
कुल सीट : 199/200	बहुमत : 101

मध्यप्रदेश

दल	जीते
भाजपा	163
कांग्रेस	66
अन्य	1
कुल सीट : 230	बहुमत : 116

छत्तीसगढ़

दल	जीते
भाजपा	54
कांग्रेस	35
अन्य	1
कुल सीट : 90	बहुमत : 46

तेलंगाना

दल	जीते
भाजपा	8
कांग्रेस	64
बीआरएस	39
एआईएमआईएम	7
अन्य	1
कुल सीट : 119	बहुमत : 60

चारों राज्यों की गणना के रुझानों के अनुसार 230 सदस्यीय मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनाव में अब तक भाजपा ने 155 सीटें जीती थीं और आठ सीटों पर आगे थी जबकि राज्य में कांग्रेस 59 सीटों पर विजय हासिल की है और सात पर उसके उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। राजस्थान में कुल 199 सीटों पर हुये चुनाव में भाजपा ने 115 सीटें जीत ली हैं, जबकि इस समय सत्तारूढ़ को 68 सीटों पर विजय प्राप्त हो चुकी और एक सीट पर उसका उम्मीदवार आगे चल रहा है।

छत्तीसगढ़ की कुल 90 सीटों के चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार 51 सीट जीत चुके हैं और तीन पर आगे चल रहे हैं। कांग्रेस 33 सीटें जीत चुकी है और दो पर उसके उम्मीदवार आगे चल रहे हैं।

तेलंगाना में कुल 119 सीटों में से कांग्रेस 64 सीटों पर कब्जा जमा कर स्पष्ट बहुमत हासिल कर ली है। वहीं अब तक राज्य में सत्तारूढ़ बीआरएस 38 सीटें जीत चुकी है और एक पर उसके उम्मीदवार आगे चल रहे हैं।

मध्यप्रदेश में भाजपा 2018 के चुनाव में करीब एक साल कांग्रेस के हाथों सत्ता गवांने को छोड़कर लगातार पांचवी बार सरकार बनाने जा रही है।

पिछले विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में कांग्रेस को 114 सीटें मिली थीं जबकि भाजपा 109 सीटों पर विजयी हुयी थी, बाद में ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में पार्टी विधायक दल के एक धड़े के भाजपा में मिलने से कमलनाथ सरकार गिर गयी थी।

पिछले चुनाव में राजस्थान को 100, भाजपा को 73 सीटें मिली थीं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को 68 पर विजय हुई थी और भाजपा 15 सीटों पर सिमट गयी थी।

तेलंगाना में 2018 में बीआरएस 88 सीटें पर जीती थी और कांग्रेस को 19 सीटें मिली थीं।

तेलंगाना में कांग्रेस का परचम

जनादेश विनम्रता से करते हैं स्वीकार

नई दिल्ली/वार्ता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना में पार्टी को बहुमत से जीतने के लिए वहां की जनता का आभार व्यक्त किया लेकिन कहा कि वह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मिले जनादेश को विनम्रता पूरक स्वीकार करते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी लड़ाई विचारधारा की है और यह लड़ाई जारी रहेगी। गांधी ने कहा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का जनादेश हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं – विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने तेलंगाना में कांग्रेस को बहुमत देने के लिए वहां के मतदाताओं का आभार जताया और कहा तेलंगाना के लोगों को मेरा बहुत धन्यवाद – प्रजालु तेलंगाना बनाने का वादा हम ज़रूर पूरा करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को उनकी मेहनत और समर्थन के लिए दिल से शुक्रिया।

केंद्रीय नेतृत्व के दिशानिर्देश में जल्द होगा राजस्थान के मुख्यमंत्री का चयनः प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली/भाषा। तीन राज्यों में विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत के बीच केंद्रीय मंत्री और पार्टी के राजस्थान चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने रविवार को कहा कि लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का समर्थन करने के साथ ही कांग्रेस के झूठे वादों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि परिणाम दिखाते हैं कि लोगों ने मोदी की 'गारंटी पूरा करने की गारंटी' को स्वीकारा है और वे यह भी मानते हैं कि कांग्रेस केवल वादे करती है लेकिन उन्हें कभी पूरा नहीं करती। यह पूछे जाने पर कि राजस्थान के नए मुख्यमंत्री का नाम कब तय किया जाएगा, जोशी ने कहा कि यह भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन और अपने नवनिर्वाचित विधायकों के परामर्श से 'बहुत जल्द और सुचारू रूप से' होगा।

फर्स्ट टेक

तेलंगाना के राज्यपाल ने मुख्यमंत्री केसीआर का इस्तीफा स्वीकार किया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने रविवार को मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और उनसे नई सरकार के गठन तक पद पर बने रहने का आग्रह किया। राजभवन से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि राव का इस्तीफा प्राप्त हुआ और राज्यपाल ने इसे स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया है कि राज्यपाल ने राव से नई सरकार के गठन तक पद पर बने रहने का अनुरोध किया। राव के बेटे और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने पहले कहा था कि विधानसभा चुनाव में बीआरएस की हार के बाद मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा भेज दिया है।

फिलीपीन में तेज भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

मनीला/एपी। दक्षिणी फिलीपीन में तेज भूकंप के कारण एक महिला की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। भूकंप के कारण सुनामी की चेतावनी जारी किए जाने के बाद लोग घबराकर अपने घरों से बाहर भागे। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि शनिवार रात आए भूकंप की तीव्रता 7.6 थी और इसका केंद्र 32 किलोमीटर की गहराई में था। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि उसे दक्षिणी फिलीपीन और इंडोनेशिया, पलाऊ और मलेशिया के कुछ हिस्सों में सुनामी आने की आशंका है, लेकिन बाद में इसने सुनामी की चेतावनी को वापस ले लिया। फिलीपीन के दावाओ डेल नॉर्ट प्रांत के टैगम शहर के आपदा-शमन प्रमुख शील्डन इसिडोरो ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि भूकंप के चलते शहर में एक गर्भवती महिला की मौत हो गई।

पूर्व राष्ट्रपति को यूक्रेन छोड़ने से रोका गया

कीव/एपी। यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति पेत्रो पोरोशेंको को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन से प्रस्तावित मुलाकात के लिए यूक्रेन छोड़ने की इजाज़त नहीं दी गई है। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने शनिवार को यह जानकारी दी। पोरोशेंको ने शुक्रवार को बताया था की कि संसद से देश छोड़ने की अनुमति मिलने के बावजूद उन्हें सीमा से वापस भेज दिया गया। मार्शल लॉ के तहत यूक्रेन में 18 से 60 साल की उम्र के पुरुषों को बिना विशेष अनुमति के देश छोड़ने पर रोक है। पोरोशेंको (58) 2019 का राष्ट्रपति चुनाव, राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की से हार गए थे। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन और पोलैंड के संसदों से मिलने की योजना थी।

04-12-2023 सूर्यास्त	05-12-2023 सूर्योदय
5:40 बजे	6:16 बजे

BSE	NSE
67,481.19	20,267.90
(+492.75)	(+134.75)

सोना	चांदी
6,565 रु.	83,500 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मोदी के प्रति जनता का अटूट विश्वास और अटल श्रद्धा की विजय

भोपाल/वार्ता। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत के लिए प्रदेश की जनता को प्रणाम करते हुए आज कहा कि एक असाधारण और अभूतपूर्व विजय जनता के आशीर्वाद से भाजपा को मिली है, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अटूट विश्वास और अटल श्रद्धा की विजय है। चौहान ने प्रदेश में भाजपा की जीत पर प्रतिक्रिया देते कहा कि यह विजय भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने जो काम किए हैं, मध्यप्रदेश को समृद्ध और विकसित बनाने के लिए, उस विकास की विजय है। यह विजय समाज के हर वर्ग के जो कल्याण के काम किए हैं, गरीब कल्याण, किसान कल्याण, भांजे भांजियों के कल्याण के काम और माता और बहनों के सशक्तिकरण का अभियान जो चला इसकी एक कड़ी थी लाडली बहना योजना यह उन कामों की जीत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अटल विश्वास है मध्यप्रदेश की साढ़े 9 करोड़ जनता का भाजपा पर। उन्होंने कहा कि वे भाजपा के कार्यकर्ताओं का भी हृदय से आभार प्रकट करते हैं। देव तुल्य कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम किया, यह उन कार्यकर्ताओं की विजय है। उन्होंने कहा कि यह विजय गरीबों की विजय है।

निर्वाचन आयोग ने तेलंगाना के डीजीपी को निलंबित करने का आदेश दिया

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अंजनी कुमार को निलंबित करने का रविवार को आदेश दिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि राज्य पुलिस के नोडल अधिकारी संजय जैन और नोडल अधिकारी (व्यय) महेश भागवत के साथ डीजीपी ने मतगणना के बीच हैदराबाद में कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष एवं उम्मीदवार अनुमूला रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर उन्हें फूलों का एक गुलदस्ता भेंटकर उनसे मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि कुल 2,290 में से एक उम्मीदवार और चुनाव मैदान में उतरे 16 राजनीतिक दलों में से एक राजनीतिक दल के स्टार प्रचारक से मिलने का फैसला करना लाभ लेने के दुर्भावनापूर्ण इरादे का एक स्पष्ट संकेत है। सूत्रों ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने डीजीपी कुमार को निलंबित करने का आदेश दिया है।

तीन राज्यों में हैट्रिक, 2024 में हैट्रिक की गारंटी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत को 'ऐतिहासिक' एवं 'अभूतपूर्व' बताते हुये रविवार को कहा कि यह जीत सबका साथ, सबका विकास की भावना की जीत हुई है और इससे एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है जिसने विकसित भारत की नींव को मज़बूत किया है।

मोदी ने यहां पार्टी मुख्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं के विजयोत्सव समारोह को संबोधित करते हुये पार्टी की जीत को माताओं, बहनों, युवा साथियों और गरीब परिवारों को समर्पित किया और कहा, मैं उनके निर्णय के सामने नतमस्तक हूं। आज की जीत ऐतिहासिक है। सबका साथ, सबका विकास की अनुभूति की जीत हुयी है। विकसित भारत की आवाज जीती है। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प जीता है। प्रधानमंत्री ने इस तीन राज्यों की जीत को भ्रष्टाचार पर ईमानदारी की जीत और वर्ष 2024 में लोकसभा चुनावों में भाजपा की हैट्रिक की गारंटी भी करार दिया।

▪ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पार्टी मुख्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं के विजयोत्सव समारोह को संबोधित करते हुये पार्टी की जीत को माताओं, बहनों, युवा साथियों और गरीब परिवारों को समर्पित किया

उन्होंने कहा, मैं अपनी माताओं, बहनों, बेटियों के सामने, मैं अपने युवा साथियों के सामने, अपने किसान साथियों के सामने, मैं अपने गरीब परिवारों के सामने, उनके निर्णय के सामने नतमस्तक हूं। उन्होंने कहा कि आज हर गरीब कह रहा है- वो खुद जीता है। आज हर वंचित के मन में भावना है- वो खुद जीता है। आज हर किसान यही सोच रहा है- वो खुद जीता है। आज हर आदिवासी भाई-बहन ये सोचकर खुश है कि वो खुद जीता है। आज हर एक पहली बार मताधिकार का प्रयोग करने वाला वोटर गर्व से कह रहा है कि वो खुद जीता है। इस जीत में हर महिला अपनी जीत देख रही है। इस जीत में बेहतर भविष्य का सपना देखने वाला हर युवा अपनी जीत देख रहा है। हर वो नागरिक इसे अपनी सफलता समझ रहा है, जो 2047 में भारत को एक विकसित राष्ट्र देखना चाहता है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सियासती सद्भाव

आज सियासत की नदिया में,
कितनों के सद्भाव बह गए।
चली दुधारी चालें इतनी,
घायल गुपचुप दर्द सह गए।
जिनने महल बनाए ऊँचे,
अंधड़ आया और ढह गए।
मुँह धो कर बैठे कुछ पाने,
वे अपने मुँह धोते रह गए।।

इजराइल सेना दक्षिण गाजा की ओर बढ़ी, और इलाकों को खाली करने का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खान यूनिस/एपी। इजराइली सेना ने रविवार को गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर खान यूनिस के अंदर और आसपास के और अधिक इलाकों को खाली करने का आदेश दिया।

उत्तरी गाजा में हमले करने के बाद अब इजराइली सेना ने दक्षिण गाजा की ओर रुख कर लिया है। सेना का कहना है कि हमास के कई नेता वहां छिपे हुए हैं।

इजराइल के जोरदार हवाई और जमीनी अभियान के केंद्र में रहे खान यूनिस और दक्षिणी शहर रफाह के साथ-साथ उत्तर के कुछ हिस्सों में रात भर और रविवार को ताबड़तोड़ बमबारी होने की सूचना मिली है। दो महीने से जारी युद्ध के शुरुआती दिनों में इजराइली बलों ने नागरिकों को उत्तरी गाजा छोड़ने का आदेश दिया था, जिसके बाद क्षेत्र की 23 लाख आबादी में से कई लोग दक्षिण में फंसे हुए हैं।

लड़ाई फिर से शुरू होने के बाद एक और अस्थायी संघर्ष विराम को लेकर वार्ता की उम्मीदें कम हो गई हैं।

एक सप्ताह का संघर्ष विराम शुक्रवार को समाप्त हो गया था। इस दौरान गाजा में बंधक बनाए गए दर्जनों इजराइलियों व विदेशी नागरिकों और इजरायल द्वारा कैद किए गए फलस्तीनियों को रिहा किया गया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार रात संबोधन में कहा, हम तब तक युद्ध जारी रखेंगे जब तक कि हम इसके सभी लक्ष्य हासिल नहीं कर लेते। जमीनी कार्रवाई के बिना उन लक्ष्यों को हासिल करना असंभव है।

रविवार को, इजराइली सेना ने खान यूनिस और उसके आसपास के और इलाकों को खाली करने का निर्देश दिया।

स्थानीय निवासियों ने कहा कि इजराइली सेना ने पर्चे बांटकर उन्हें दक्षिण में रफाह या दक्षिण-पश्चिम में एक तटीय क्षेत्र में जाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्चों में लिखा है, खान यूनिस शहर एक खतरनाक युद्ध क्षेत्र है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को छह रन से हराकर, 4-1 से जीती सीरीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/वार्ता। श्रेयस अय्यर की धैयपूर्ण 53 रनों की अर्धशतकीय पारी और उसके बाद मुकेश कुमार,रवि बिश्नोई तथा अर्शदीप सिंह की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत पांच मैचों की टी-20 शृंखला के आखिर मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को छह रन से हराते हुए रविवार को सीरीज 4-1 से जीत ली है।

161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने पारी की तेज शुरुआत की। चौथे ओवर की तीसरी गेंद पर मुकेश कुमार ने जोश फिलिप चार को बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिलाई। उसके बाद रवि बिश्नोई ने ट्रैविस हेड 28 रन को बोल्ड कंगारूओं को दूसरा झटका दिया। सातवें ओवर में ऐरन हार्डी छह रन को बिश्नोई ने श्रेयस के हाथों कैच आउट कराकर चलता कर दिया। 14वें ओवर में टिम डेविड 17 रन को अक्षर ने आवेश के हाथों कैच कराया। मैथ्यू शॉर्ट16 रन को मुकेश की गेंद पर गायकवाड़ ने कैच आउट किया। उसके बाद अगली ही गेंद पर मुकेश कुमार ने बेन ड्वारश्विइस शून्य को चलता कर दिया। 20 ओवर की तीसरी गेंद पर बड़ा शॉट मारने के चक्कर में ऑस्ट्रेलिया कप्तान मैथ्यू वेड 22 रन पर आउट हुए। उन्हें अर्शदीप ने श्रेयस के हाथों कैच आउट कराया। नेथन एलिस चार रन और जेसन बेहरनडॉर्फ दो रन बनाकर नाबाद रहे।

नतीजे साबित करते हैं कि तुष्टीकरण और जाति की राजनीति के दिन लद गए : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शानदार प्रदर्शन के बाद रविवार को कहा कि चुनावी नतीजों ने साबित कर दिया है कि तुष्टीकरण और जाति की राजनीति के दिन लद गए हैं और 'नया भारत' प्रदर्शन की राजनीति पर वोट करता है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि भाजपा की प्रचंड जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की कल्याणकारी नीतियों और सुशासन पर जनता की मुहर है।

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के अब तक के नतीजों से स्पष्ट है कि भाजपा तीनों राज्यों में सरकार बनाने जा रही है। मध्य प्रदेश में पार्टी ने सत्ता बरकरार रखी, जबकि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में उसने कांग्रेस को उखाड़ फेंका।

तेलंगाना में कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को हराकर सरकार बनाने जा रही है। शाह ने वीरभूमि राजस्थान की जनता का आभार जताते हुए कहा, '' यह जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर जनता के अटूट विश्वास की जीत है। इस शानदार जीत के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी और राजस्थान भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।''

मध्य प्रदेश की भाजपा की 'प्रचंड जीत' को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली 'डबल इंजन' सरकार की कल्याणकारी नीतियों और सुशासन पर जनता की मुहर करार देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित प्रदेश भाजपा के नेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा, ''छत्तीसगढ़ के जनजातीय, गरीब और किसान बहनों-भाइयों ने प्रधानमंत्री मोदी में अपना विश्वास जताकर भाजपा को प्रचंड बहुमत का आशीर्वाद दिया है। इस विशाल जीत के लिए छत्तीसगढ़ की जनता का आभार व्यक्त करता हूं।''

विस चुनाव के नतीजों पर योगी ने कहा कि मोदी की गारंटी पर लगी जनता के विश्वास की मुहर

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक तथा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने रविवार को हाल ही में हुए चुनावों में तीन राज्यों में भाजपा की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन को दिया।

मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा के निर्णायक बढ़त के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई दी है। योगी ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मिली जीत बताते हुये कहा, 'प्रधानमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में चार राज्यों के चुनाव परिणामों में से तीन राज्यों में भाजपा की जीत 'मोदी की गारंटी' पर 'जनता के विश्वास की गारंटी' है।'' उन्होंने इस जीत पर भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं एवं सम्मानित मतदाताओं को हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं दीं। शोसल मीडिया पर अपने सिलसिलेवार संदेश में योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में तीनों राज्यों में भाजपा की विजय की सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जीत की खुशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जयपुर में राजस्थान विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान पार्टी मुख्यालय के बाहर भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक।

राजस्थान के सत्ता समीकरणों में इस बार नहीं चला गहलोत का 'जादू'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव से लगभग तीन महीने पहले कहा था, मैं कई बार मुख्यमंत्री पद छोड़ने की सोचता हूं ... पर मुख्यमंत्री पद मुझे नहीं छोड़ रहा। अब आगे क्या होता है देखते हैं।

गहलोत ने तीन अगस्त को राजधानी जयपुर में हल्के फुल्के अंदाज में यह टिप्पणी सरकारी योजना की एक लाभार्थी की इच्छा पर की थी। इस महिला ने सरकारी योजना से अपने सफल इलाज के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा था कि वह चाहती हैं कि गहलोत ही आगे मुख्यमंत्री बने रहें। लेकिन गहलोत की इस टिप्पणी के अलग-अलग राजनीतिक अर्थ निकाले गए जब कुछ लोगों ने इसे कांग्रेस आलाकमान के लिए संकेत तक कहा। गहलोत ने बाद में कई बार यह बात दोहराई। यह अलग बात है कि अशोक गहलोत का मुख्यमंत्री के रूप में यह तीसरा कार्यकाल उतना 'आरामदायक' नहीं रहा। साल 2020 में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपने कुछ समर्थक विधायकों के साथ गहलोत के नेतृत्व के खिलाफ बगावत की। हालांकि पार्टी आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद मामला सुलझ गया। गहलोत ने पायलट के लिए निकम्मा, नकारा और गद्दार जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया।

साल 2022 में गहलोत के समर्थक विधायकों ने जयपुर में बुलाई गई कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करके पार्टी आलाकमान की अवहेलना की। यह बैठक इसलिए बुलाई गई थी ताकि पायलट के लिए राज्य में मुख्यमंत्री पद का मार्ग प्रशस्त कर दे। राजनीतिक जानकारों के अनुसार गांधी परिवार चाहता था कि गहलोत राज्य की राजनीति छोड़कर पार्टी के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें। लेकिन जनता को 'मैं थांसू दूर कोनी' (मैं आपसे दूर नहीं) का भरोसा देते हुए गहलोत राजस्थान में टिके रहने में सफल रहे। इसके बाद उन्होंने खुद को राजस्थान में कांग्रेस को दोबारा सत्ता में लाने के लिए एक तरह से झोंक दिया। बीते कुछ दशकों में, परंपरागत रूप से राजस्थान में हर विधानसभा चुनाव में राज यानी सरकार बदल जाती है... एक बार कांग्रेस, एक बार भाजपा। कोई भी पार्टी लगातार दो बार सरकार नहीं बना सकी है। इस 'रिवाज' को बदलने के लिए गहलोत ने अनेक कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की। इसमें 500 रुपए में गैस सिलेंडर और सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली शामिल है।

जनता ने कांग्रेस के कुशासन को नकारा: वसुंधरा राजे

जयपुर/भाषा। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे ने प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव की मतगणना के रूझानों में उनकी पार्टी की जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि जनता ने कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया है। राजे इस चुनाव में झालरापाटन सीट से जीत गई हैं।

भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलने के बीच राजे ने कहा, 'राजस्थान की ये शानदार जीत हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मंत्र 'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास' की जीत है। उनकी दी हुई 'गारंटी' की जीत है। यह जीत हमारे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी की रणनीति की जीत है और यह जीत हमारे (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा के कुशल नेतृत्व की जीत है।' उन्होंने कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण, यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं की है। उनके अथक प्रयासों की जीत है। उन्होंने दिन-रात हमारे माननीय प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने की पूरी कोशिश करते हुए उस दिशा में मेहनत की। सबसे बड़ी बात यह जीत हमारी जनता जर्नादन की है जिसने कांग्रेस के कुराज को नकारते हुए और भाजपा के सुराज को अपनाने का काम किया है। '

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने दिमनी विधानसभा सीट से दर्ज की जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने दिमनी विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उम्मीदवार बलवीर सिंह दंडोतिया को 24,461 वोटों से हरा दिया।

तोमर उन तीन केंद्रीय मंत्रियों में शामिल हैं जिन्हें भाजपा ने प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में उतारा था। तोमर 1991 में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनने से पहले विभिन्न पदों पर रहे। तोमर 1998 और 2003 में ग्वालियर विधानसभा सीट से निर्वाचित हुए थे और भाजपा के राज्य शासन में कैबिनेट मंत्री बने।

उन्हें 2006 में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। वह 2012 से 2014 के बीच फिर से इस पद पर रहे।

तोमर 2008 में मुरैना संसदीय सीट से और फिर 2014 में ग्वालियर सीट से लोकसभा के लिए चुने गए एवं नरेन्द्र मोदी सरकार में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री बने। वर्ष 2019 में लोकसभा के आम चुनाव में तोमर की सीट फिर से बदल दी गई और उन्होंने मुरैना संसदीय सीट से सफलतापूर्वक चुनाव लड़ा और केंद्र में अपना मंत्री पद बरकरार रखा।

4 राज्यों के विस चुनाव के नतीजों का 'इंडिया' गठबंधन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा: पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि चार राज्यों में विधानसभा चुनावों के नतीजों का विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

'इंडिया' गठबंधन में कांग्रेस के नेतृत्व में 25 से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं।

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए रविवार को जारी मतगणना के अब तक आए रुझानों के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मध्य प्रदेश में सत्ता में वापसी करती दिख रही है, वहीं राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे कांग्रेस शासित राज्यों को वह उससे छीनती नजर आ रही है। इन चुनावों में कांग्रेस के लिए राहत सिर्फ तेलंगाना से मिलती दिख रही है जहां वह भारी बहुमत की ओर अग्रसर है।

पवार ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इससे 'इंडिया' गठबंधन पर कोई असर पड़ेगा। हम दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर बैठक करेंगे। हम उन लोगों से बात करेंगे जो जमीनी हकीकत जानते हैं। हम बैठक के बाद ही इस पर टिप्पणी कर पाएंगे।''

तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) कांग्रेस से पिछड़ रही है, इस पर पवार ने कहा कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

पवार ने दावा किया, ''पहले, यह माना गया था कि बीआरएस तेलंगाना में सत्ता बरकरार रखेगी। हालांकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रैली के बाद, जिन्हें भारी समर्थन मिला था, हमें एहसास हुआ कि राज्य में बदलाव होगा।''

पवार की पार्टी राकांपा 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है। 'इंडिया' गठबंधन का गठन 2024 के लोकसभा चुनावों के वास्ते केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा से मुकाबला करने के लिए किया गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुख्यमंत्री चौहान छठी बार बुधनी से जीते, मस्तल को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के अभिनेता से नेता बने विक्रम मस्तल को 1,04,974 मतों के अंतर से हराकर बुधनी सीट से छठी बार जीत हासिल की। मप्र के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले चौहान ने पहली बार 1990 में बुधनी विधानसभा सीट से जीत हासिल की। वर्ष 2006 में उपचुनाव जीतने के बाद उन्होंने 2008, 2013 और 2018 में यह सीट अपने पास बरकरार रखी।

चौहान 1991, 1996, 1998, 1999 और 2004 में विदिशा से लोकसभा सांसद भी रहे।

चौहान के समर्थक उन्हें प्यार से 'मामा' कहते हैं। चौहान को इस बार पार्टी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में पेश नहीं किया गया है।

चौहान समेत कई भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि उनकी 'लाडली बहना योजना', जिसके तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 1,250 रुपये मिलते हैं, इस चुनाव में ' गेम चेंजर' साबित हुई।

'तीन राज्यों में भाजपा की जीत लोकसभा चुनावों की झांकी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का अच्छा प्रदर्शन दिखाता है कि लोगों के दिल में क्या है और 2024 के लोकसभा व राज्य चुनावों में इसका दोहराव होगा। मतगणना में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिलती दिख रही है जबकि तेलंगाना में कांग्रेस आगे है।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी की सफलता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में लोगों के विश्वास के कारण है और यह जीत देश के लोगों के लिए पारदर्शी विकास के एजेंडे की है। फडणवीस ने कहा, इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। यह उनके नाम और प्रसिद्धि का परिणाम है। इसका श्रेय भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, प्रमुख रणनीतिकार अमित शाह और राष्ट्रीय टीम को भी जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का मत प्रतिशत छत्तीसगढ़ में 14 फीसदी, मध्य प्रदेश में आठ फीसदी और तेलंगाना में 10 फीसदी बढ़ा है।

फडणवीस ने कहा कि तेलंगाना में भाजपा की बढ़त सराहनीय है। वह वहां तीन सीटें जीत चुकी है और पांच पर आगे चल रही है। उन्होंने दावा किया, पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने तेलंगाना में चार सीट जीती थीं। अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा तेलंगाना में नंबर एक पार्टी होगी। उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयानों के संदर्भ में कहा, कांग्रेस को एहसास हो गया है कि असली 'पनौती' कौन है। मुझे यकीन है कि वे मोदीजी के खिलाफ इस शब्द का इस्तेमाल फिर कभी नहीं करेंगे।

तेलंगाना के गठन का नेतृत्व करने वाले केसीआर लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने से चूके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। अलग तेलंगाना राज्य के लिए आंदोलन का नेतृत्व करने वाले के. चंद्रशेखर राव विधानसभा चुनाव में बीआरएस को शिकस्त मिलने के बाद मुख्यमंत्री के रूप में लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करने से चूक गए।

बीआरएस को लगा यह झटका तेलंगाना से बाहर पार्टी के प्रभाव का विस्तार करने और राष्ट्रीय फलक पर उपस्थिति दर्ज कराने की इसकी महत्वाकांक्षा को नुकसान पहुंचा सकता है। राव को केसीआर के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने अपनी पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) को पिछले साल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नाम दिया था। उन्होंने बीआरएस की उपस्थिति मजबूत करने के लिए पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में मई में पार्टी का विस्तार अभियान शुरू किया था। कांग्रेस समर्थक रहने से लेकर तेलंगाना गौरव के प्रतीक बनने तक, केसीआर ने राज्य एवं केंद्र की राजनीति की जटिलताओं का मुकाबला किया। अलग राज्य के रूप में 2014 में तेलंगाना का गठन होने के साथ वह एक प्रमुख क्षेत्रीय नेता के रूप में उभरे।

चुनाव नतीजों से लोकसभा चुनाव में 350 से ज्यादा सीटों के लक्ष्य को गति मिलती है: हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में से भाजपा को तीन राज्यों में मिली निर्णायक बढ़त के बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि जनादेश सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए अगले साल लोकसभा चुनाव में 350 से अधिक सीटें जीतने की दिशा तय करेगा। शर्मा ने अक्टूबर और नवंबर में पार्टी के लिए राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में बड़े पैमाने पर प्रचार किया था। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमें यह जनादेश देने और माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अपना विश्वास दोहराने के लिए मैं लोगों को नमन करता हूं।

मप्र, राजस्थान, तेलंगाना में एक फीसदी से भी कम मतदाताओं ने 'नोटा' चुना, छत्तीसगढ़ में 1.29% ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रविवार को जिन चार राज्यों में मतगणना हो रही है, उनके आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि इनमें से तीन प्रदेश में एक प्रतिशत से भी कम मतदाताओं ने हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में 'उपरोक्त में से कोई नहीं' (नोटा) का विकल्प चुना। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से यह जानकारी मिली।

विधानसभा चुनाव पांच राज्यों में कराये गए हैं और मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ तथा तेलंगाना में मतगणना रविवार को हुई, जबकि मिजोरम में मतगणना सोमवार को होगी।

मध्य प्रदेश में, हुए 77.15 प्रतिशत मतदान में से 0.99 प्रतिशत मतदाताओं ने 'नोटा' का विकल्प चुना। पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में, 1.29 प्रतिशत मतदाताओं ने 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (ईवीएम) पर 'नोटा' का बटन दबाया। तेलंगाना में, 0.74 प्रतिशत मतदाताओं ने 'नोटा' का विकल्प चुना। राज्य में 71.14 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसी तरह, राजस्थान में 0.96 प्रतिशत मतदाताओं ने 'नोटा' का विकल्प चुना। राज्य में 74.62 प्रतिशत मतदान हुआ।

'नोटा' विकल्प पर पीटीआई-भाषा से बात करते हुए 'कंज्यूमर डेटा इंटेलीजेंस कंपनी' एक्सिस माय इंडिया के प्रदीप गुप्ता ने कहा कि 'नोटा' का इस्तेमाल .01 प्रतिशत से लेकर अधिकतम दो प्रतिशत तक किया गया। उन्होंने कहा कि यदि कोई नई चीज शुरू की जाती है तो इसकी प्रभावकारिता इसके नतीजे पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, ''मैंने सरकार को इस बारे में पत्र लिखा था कि अगर नोटा को सही मायने में प्रभावी बनाना है, तो अधिकतम संख्या में लोगों द्वारा इसका (नोटा का)बटन दबाये जाने पर नोटा को विजेता घोषित किया जाना चाहिए।'' गुप्ता भारत में अपनाये गए 'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट' सिद्धांत का जिक्र कर रहे थे, जिसमें सर्वाधिक वोट पाने वाले उम्मीदवार को विजेता घोषित किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन उम्मीदवारों को जनता ने खारिज कर दिया है, उन्हें ऐसी स्थिति में चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जहां 'नोटा' को अन्य उम्मीदवारों से अधिक वोट पड़े हों। उन्होंने कहा, ''यदि ऐसा होता है तो लोग नोटा विकल्प का सही उपयोग कर पाएंगे...अन्यथा यह एक औपचारिकता मात्र है।'' 'नोटा' का विकल्प 2013 में शुरू किया गया था।

कांग्रेस नेता ने चुनाव नतीजों को लेकर 'दक्षिण बनाम उत्तर' से संबंधित पोस्ट किया, विवाद होने पर हटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने तेलंगाना में पार्टी की जीत के बाद रविवार को अपनी इस टिप्पणी से विवाद पैदा कर दिया कि देश के दक्षिणी और उत्तरी भाग के बीच सीमा रेखा गहरी एवं स्पष्ट हो रही है।

विवाद बढ़ने के बाद चक्रवर्ती ने 'एक्स' पर किया गया अपना पोस्ट हटा लिया। वह पार्टी की इकाई 'अखिल भारतीय प्रोफेशनल्स कांग्रेस' के प्रमुख हैं।

भाजपा नेताओं ने चक्रवर्ती की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

कांग्रेस को हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा से हार का सामना करना पड़ा है। तेलंगाना में उसे जीत हासिल हुई है। इन चुनाव नतीजों को लेकर चक्रवर्ती ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''दक्षिण-उत्तर सीमा रेखा गहरी और स्पष्ट होती जा रही है!'' कांग्रेस के समर्थक माने जाने वाले तहसीन पूनावाला ने चक्रवर्ती के पोस्ट को लेकर आपत्ति जताई और कहा कि जैसे लोगों ने 'सनातन धर्म के बारे में अपशब्द' को स्वीकार नहीं किया, उसी तरह 'उत्तर-दक्षिण विभाजन' को भी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

चक्रवर्ती के पोस्ट को लेकर भाजपा महासचिव बीएल संतोष ने पलटवार करते हुए कहा, ''पहले से (विभाजन) ही है सर...!!! वे हमेशा दो कार्ड तैयार रखते हैं। अब उन्होंने दूसरा कार्ड निकाला है... 'भारत जोड़ो' और 'मोहब्बत की दुकान' से।'

‘मिगजौम’ तूफान के मद्देनजर सभी एहतियाती कदम उठाए गए : तमिलनाडु सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने रविवार को कहा कि ‘मिगजौम’ तूफान के मद्देनजर संभावित स्थिति से निपटने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं। ‘मिचौंग’ के तीव्र होने और मंगलवार को दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट से टकराने से पहले चार दिसंबर को उत्तरी तमिलनाडु तट से गुजरने की संभावना है। तूफान की वजह से सोमवार और मंगलवार को भारी बारिश होने की संभावना है। सरकार ने कहा कि उसने पर्याप्त संख्या में आपदा मोचन बल के जवानों को तैनात किया है और संवेदनशील क्षेत्रों के लोगों के लिए राहत केंद्र भी तैयार हैं।

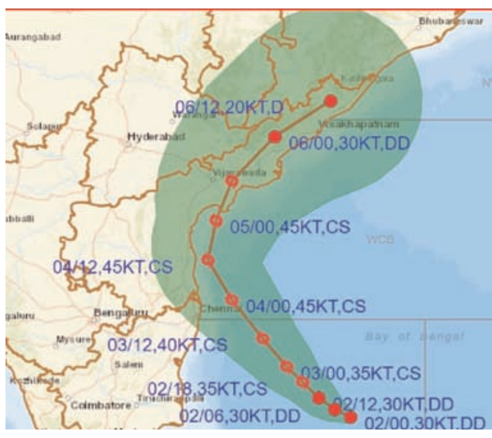

सरकार ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि कावेरी डेल्टा क्षेत्रों के अलावा, राज्य के उत्तरी और अन्य तटीय क्षेत्रों में सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ 121 बहुउद्देशीय केंद्र और 4,967 राहत शिविर तैयार किए गए हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक अकेले चेन्नई में 162 राहत केंद्र तैयार किए गए हैं और ऐसे एक केंद्र में 348 लोगों को रखा गया है। साथ ही 714 पंप निचले इलाकों से पानी निकालने के लिए तैयार हैं। तमिलनाडु आपदा मोचन बल की 350 सदस्यों की 14 टीम और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ)की 225 कर्मियों की नौ टीम राहत और बचाव कार्यों के लिए मयिलादुथुराई, नागप्पट्टिनम, तिरुवल्लूर, कडलूर, विल्लुपुरम, कांचीपुरम, चेंगलपेट और चेन्नई के तटीय क्षेत्रों में तैनात की गई हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक राज्य और जिला-स्तरीय आपातकालीन संचालन केंद्र अतिरिक्त कर्मचारियों के साथ चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। मदद के लिए नियंत्रण कक्ष से हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री, केकेएसएसआर रामचंद्रन और बिजली मंत्री थंगम थेनारासु ने स्थिति को संभालने के लिए राज्य की तैयारियों का निरीक्षण किया। थेनारासु ने कहा कि स्थिति से निपटने के लिए सरकार पर्याप्त श्रमिकों और उपकरणों के साथ तैयार है।

करीब 1,500 कर्मचारियों को तैयार अवस्था में और तीन लाख से अधिक बिजली के खंभों को आपात स्थिति के लिए रखा गया है। इनके अलावा आवश्यक वाहन और क्रेन जैसी मशीनरी भी तैयार हैं।

चक्रवाती तूफान ‘मिगजौम’ के करीब आते ही सरकार ने सोमवार (4 दिसंबर) को चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया है। दूध आपूर्ति और स्वास्थ्य सुविधाएं जैसी आवश्यक सेवाएं चालू रहेंगी। रेलवे ने कुल 118 रेलगाड़ियों को रद्द कर दिया है। आम जनता और मछुआरों को चक्रवाती तूफान के बारे में सतर्क कर दिया गया है और 1,000 से अधिक नौकाएं कृष्णमपट्टिनम सहित मछली पकड़ने वाले बंदरगाहों पर खड़ी हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान मिगजौम’ दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर पुडुचेरी से लगभग 250 किमी पूर्व में, चेन्नई से 230 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व और नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) से 350 किमी दक्षिण पूर्व में अवस्थित है।

इसके और अधिक तीव्र होने और चार दिसंबर की दोपहर तक दक्षिण आंध्र प्रदेश और निकटवर्ती उत्तरी तमिलनाडु तटों से होते हुए पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की संभावना है। इसके बाद, ‘मिगजौम’ के उत्तर की ओर बढ़ने और पांच दिसंबर की सुबह एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश तट को पार करने की संभावना है, जिससे 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति से हवाएं चल सकती हैं।

विजयी जुलूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तीन दिसम्बर को चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणामों में तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला है। इस खुशी का ठिकाना कोयम्बटूर के विभिन्न इलाकों में भी देखा गया। भाजपा जिला अध्यक्ष जे. रमेश कुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर और पटाखे फोड़कर खुशी का इजहार किया।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत प्रधानमंत्री मोदी में लोगों के विश्वास की अभिव्यक्ति : रंगासामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने रविवार को कहा कि चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में से तीन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिल रही जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में लोगों के विश्वास और भरोसे की अभिव्यक्ति है। विधानसभा चुनावों के नतीजों में भाजपा को मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में महत्वपूर्ण बढ़त मिलती हुई दिखाई दे रही है।

अखिल भारतीय एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) के संस्थापक ने प्रधानमंत्री को अपने संदेश में कहा कि वह भाजपा को तीन प्रमुख राज्यों में प्रचंड जीत दर्ज करते हुए देखकर काफी खुश हैं। एन रंगासामी ने कहा, ''भाजपा की जीत दर्शाती है कि यह प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र के प्रति की गई निस्वार्थ सेवाओं के कारण है। नतीजे दुनिया को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व, भारत के लोगों का उनके प्रति प्यार और उनकी सफलता की ऊंचाई के बारे में भी बताते हैं।'' उन्होंने मोदी को जीत की शुभकामनाएं भी दीं। रंगासामी ने एक संदेश में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी बधाई दी और कहा कि चुनाव परिणामों ने साबित कर दिया है कि भाजपा देश की सबसे बड़ी और मजबूत राष्ट्रीय पार्टी है। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री ने कहा, यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि देश की रक्षा करने, इसके गौरव को बनाए रखने और लोगों के हितों की रक्षा करने में केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार की सफलता चुनाव में जीत के पीछे की प्रेरक शक्ति है। रंगासामी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी भाजपा की जीत पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति शाह का समर्पित योगदान और उनकी राजनीतिक कुशलता ’उल्लेखनीय’ जीत का मुख्य कारण रही।

बेंगलूरु के मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर तीन राज्यों में भाजपा की जीत का जश्न मनाया

चुनाव परिणाम प्रधानमंत्री मोदी में जनता के भरोसे को दिखाते हैं : विजयेंद्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जीत की ओर बढ़ने के बीच पार्टी की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने रविवार को दावा किया कि आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा राज्य की सभी 28 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, ’लोग चाहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बनें। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत मिलेगा। लोग राष्ट्रीय सुरक्षा चाहते हैं। वे गारंटी योजनाओं से आंखें मूंद रहे हैं, जो देश को खत्म कर देंगी और सत्ता हथियाने के लिए तैयार हैं।‘

विजयेंद्र ने संवाददाताओं से कहा कि जनता ने नरेन्द्र मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाने की अपनी इच्छा पुन: प्रकट कर दी है। पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा के बेटे विजयेंद्र ने कहा, ‘हम आगामी लोकसभा चुनाव में कर्नाटक में सभी 28 सीटों पर जीतेंगे।’ विजयेंद्र ने कहा कि लोग पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव को लोकसभा चुनाव से पहले सेमी-फाइनल की संज्ञा दे रहे थे और अब बिल्कुल साफ है कि देश में ‘भाजपा की सुनामी’ आई हुई है।

येडीयुरप्पा ने कहा- आम चुनाव में कर्नाटक की सभी 28 सीट जीतेंगे

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा ने तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत की संभावनाओं के बीच रविवार को कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी कर्नाटक की सभी 28 सीटों पर जीत हासिल करेगी।

येडीयुरप्पा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा के प्रचंड जीत की ओर बढ़ने की संभावना के बीच इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को बधाई और श्रेय दिया।

रविवार को जारी मतगणना में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिलती दिख रही है जबकि तेलंगाना में कांग्रेस को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से आगे निकलते देखा जा सकता है। येडीयुरप्पा ने पत्रकारों से कहा, इन परिणामों के बाद हम लोकसभा चुनाव में कर्नाटक की सभी 28 सीट जीतने का प्रयास करेंगे।

कांग्रेस की नहीं, तेलंगाना के लोगों की जीत : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने रविवार को कहा कि तेलंगाना में परिणाम कांग्रेस पार्टी की जीत नहीं है, बल्कि यह तेलंगाना के लोगों की जीत है। हैदराबाद में पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, तेलंगाना के मतदाता बदलाव चाहते हैं। विभिन्न राज्यों के नेताओं ने तेलंगाना में कांग्रेस विधायकों को चुनाव जीतने में मदद करने के लिए काम किया है।

तेलंगाना की जनता ने राज्य के निर्माण के लिए जीत दी है। उन्होंने सोनिया गांधी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

हुमा कुरैशी की ‘जेबा’ का बेंगलूरु साहित्य महोत्सव में विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु साहित्य महोत्सव (बीएलएफ) के 12वें संस्करण में अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपने पहले उपन्यास ‘जेबा’ का विमोचन किया, जिसे दर्शकों ने हाथों-हाथ लिया। हुमा की पुस्तक का मुख्य किरदार ’जेबा’ है। बेंगलूरु के ’द ललित अशोक’ में आयोजित महोत्सव के पहले दिन पुस्तक के विमोचन के बाद हुमा ने ’पीटीआई-भाषा’ से कहा, ’कल्पना पर आधारित यह पुस्तक 1992 से 2019 के बीच की कहानी पर गढ़ी गई है। पुस्तक एक विशाल साम्राज्य, उसके शैतान राजा और मुख्य किरदार जेबा के इर्द-गिर्द घूमती है और बताती है कि कैसे जेबा राजा को हराने में कामयाब हुई।’

फिल्मों में अलग-अलग किरदारों के जरिए अपने अभिनय से खुद को साबित करने वाली हुमा ने कहा कि टीवी सीरिज ’लीला’ की शूटिंग के दौरान उनके दिमाग में पुस्तक की कहानी आई थी और कोविड के दौरान मिले ब्रेक के दौरान उन्हें आखिरकार जेबा के किरदार को गढ़ने का वक्त मिला।

हुमा ने कहा, ’मैंने कोविड के दौरान इस पुस्तक की शुरुआत की थी। मैं अक्सर सुबह उठकर नहाने के बाद वर्कआउट करती और पुस्तक लिखने बैठ जाती। मैं इसी चीज को लेखन कहती हूं- लैपटॉप लेकर बैठ जाओ और बस लिखते रहो।’ शुरू में हुमा ने स्वीकार किया कि जब उन्होंने जेबा के किरदार को गढ़ा तो उन्हें लगा कि यह किरदार पटकथा के लिए बिल्कुल फिट है और इस वजह से उन्हें इस बात पर यकीन हो गया कि यह पुस्तक बड़े पर्दे पर अच्छी तरह से लोगों को लुभा पाएगी।

हुमा ने कहा, ’मैं एक दिन इस पर फिल्म बनाना चाहूंगी। मेरा मन इस पर वेब सीरिज बनाने का था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और फिर मेरे मन में यह विचार आया, जिसके बाद मैंने किताब लिखी, जो मुझे लगता है कि एक पटकथा लिखने से कहीं बेहतर है। इंशाअल्लाह, शायद एक दिन इस पर फिल्म जरूर बनेगी। ’हुमा ने कहा कि इससे फर्क नहीं पड़ता कि वह पुस्तक के रूप में अपनी कला को अभिव्यक्ति देती हैं या फिल्मों के जरिए।

भारतीय सेना की ताकत और क्षमताओं का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर ने भारतीय सेना की ताकत और क्षमताओं पर प्रकाश डालने के उद्देश्य से सिंधुदुर्ग सैनिक स्कूल और जूनियर कॉलेज, अंबोली के 230 छात्रों के लिए एक यात्रा का आयोजन किया। यात्रा की शुरुआत युद्ध संग्रहालय की खोज के साथ हुई, जहां छात्रों ने खुद को मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट के समृद्ध इतिहास को देखा। इस प्रकार वीर गाथाओं और युद्ध के विकास के बारे में अंतर्दृष्टि प्राप्त की। छात्रों को उपकरण गैलरी भी दिखाई गई, जहां हथियार, गियर और अत्याधुनिक तकनीक की एक प्रभावशाली श्रृंखला प्रदर्शित की गई थी। भ्रमण का शिखर सेना में प्रौद्योगिकी के समावेश का मनमोहक प्रदर्शन था। भारतीय सेना अपनी ताकत और क्षमताओं का प्रदर्शन करके युवाओं को प्रेरित करने की दिशा में अपने प्रयास जारी रखे हुए है और इस प्रकार अपने नागरिकों में गर्व की भावना पैदा कर रही है।

राजस्थान में रिवाज कायम, राज बदला; भाजपा को बहुमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने हर पांच साल में सरकार बदलने का 'रिवाज' कायम रखते हुए 'राज' यानी सरकार को बदल दिया है। राज्य की 200 सीटों वाली विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिल गया है। शाम 6.20 बजे तक भाजपा ने 104 सीटें जीत लीं जबकि 11 पर आगे चल रही है। इस तरह से उसे कुल मिलाकर 115 सीटें मिलती दिख रही हैं। वहीं, कांग्रेस 69 सीटों पर सिमटती दिख रही है। 60 सीटों पर उसके उम्मीदवार जीत चुके हैं जबकि 9 पर आगे हैं। पांच निर्दलीय जीत चुके हैं, तीन सीटों पर भारत आदिवासी पार्टी के उम्मीदवार जीते हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव परिणामों को सभी के लिए अप्रत्याशित बताते हुए जनादेश को स्वीकार किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, ''राजस्थान की जनता द्वारा दिए गए जनादेश को हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। यह सभी के लिए एक अप्रत्याशित परिणाम है। यह हार दिखाती है कि हम अपनी योजनाओं, कानूनों और नवाचारों को जनता तक पहुंचाने में पूरी तरह कामयाब नहीं रहे।'' भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन की जीत है।

भाजपा के जीतने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, लोकसभा सदस्य राज्यवर्धन राठौड़ (झोटवाड़ा), बाबा बालक नाथ (तिजारा) व दीया कुमारी (विद्याधर नगर) शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि राजनीतिक गलियारों में राजस्थान के विधानसभा चुनाव को राज (सरकार) और 'रिवाज' बदलने की लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है। बीते कुछ दशकों में, परंपरागत रूप से राज्य में हर विधानसभा चुनाव में सरकार बदल जाती है... एक बार कांग्रेस, एक बार भाजपा। इस बार भी ऐसा ही हुआ है। राज्य में 200 में से 199 सीटों पर 25 नवंबर को मतदान हुआ था जहां 75.45 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। राज्य की करणपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के कारण चुनाव स्थगित किया गया है।

गहलोत ने चुनाव परिणाम को 'अप्रत्याशित' बताया

राजस्थान विधानसभा चुनाव में रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जीत की ओर बढ़ने के मद्देनजर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव परिणामों को अप्रत्याशित बताते हुए कहा कि वह इसे विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। कांग्रेस नेता गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, राजस्थान की जनता द्वारा दिए गए जनादेश को हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। यह सभी के लिए एक अप्रत्याशित परिणाम है।

उन्होंने कहा, यह हार दिखाती है कि हम अपनी योजनाओं, कानूनों और नवाचारों को जनता तक पहुंचाने में पूरी तरह कामयाब नहीं रहे।

गहलोत ने कहा, मैं नई सरकार को शुभकामनाएं देता हूं। मेरी उन्हें सलाह है कि हम काम करने के बावजूद कामयाब नहीं हुए, इसका मतलब यह नहीं कि वे सरकार में आने के बाद काम ही ना करें। हमने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस), चिरंजीवी सहित जो तमाम योजनाएं शुरू की हैं एवं विकास की जो रफ्तार इन पांच सालों में राजस्थान को दी है वे इसे आगे बढ़ाएं।

राजस्थान के विधानसभा चुनाव में भाजपा जीत की ओर बढ़ती दिख रही है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, भाजपा के उम्मीदवार 53 सीट जीत चुके हैं और 62 सीट पर आगे हैं। कांग्रेस ने अब तक 27 सीट पर जीत दर्ज की है और वह 42 पर आगे है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने पद से इस्तीफा दिया

जयपुर। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। गहलोत रविवार शाम राजभवन पहुंचे और राज्यपाल कलराज मिश्र को मुख्यमंत्री पद से अपना त्यागपत्र सौंपा। राजभवन के बयान के अनुसार, राज्यपाल मिश्र ने तत्काल प्रभाव से त्यागपत्र स्वीकार करते हुए उनसे राज्य में नई सरकार के गठन तक कार्य करते रहने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव में राज्य की 200 में से 199 सीट पर मतदान हुआ है। जिसके परिणाम रविवार को आए। भारतीय जनता पार्टी को 106 सीट पर जीत के साथ स्पष्ट बहुमत मिल गया है। शाम 6:45 बजे तक नौ सीट पर उसके उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। यानी कुल आंकड़ा 115 तक पहुंचता नजर आ रहा है। वहीं कांग्रेस 69 सीट पर सिमटी दिख रही है। 60 सीट पर उसके उम्मीदवार जीत चुके हैं जबकि नौ पर आगे हैं।

जनता ने कांग्रेस के कुशासन को नकारा : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे ने प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव की मतगणना के रूझानों में उनकी पार्टी की जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि जनता ने कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया है। राजे इस चुनाव में झालरापाटन सीट से जीत गई हैं।

रुझानों में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलने के बीच राजे ने कहा, 'राजस्थान की ये शानदार जीत हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मंत्र 'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास' की जीत है। उनकी दी हुई 'गारंटी' की जीत है। यह जीत हमारे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी की रणनीति की जीत है और यह जीत हमारे (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा के कुशल नेतृत्व की जीत है।'

उन्होंने कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण, यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं की है। उनके अथक प्रयासों की जीत है। उन्होंने दिन-रात हमारे माननीय प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने की पूरी कोशिश करते हुए उस दिशा में मेहनत की।' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,'सबसे बड़ी बात यह जीत हमारी जनता जर्नादन की है जिसने कांग्रेस के कुराज को नकारते हुए और भाजपा के सुराज को अपनाने का काम किया है। यह जीत 2024 में मोदी जी को फिर से देशवासियों की सेवा का अवसर देने की जीत है।' राज्य की 200 में से 199 सीट पर मतदान 25 नवंबर को हुआ था। करणपुर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी के निधन के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया है।

लोगों ने कांग्रेस की गारंटी को विफल कर दिया : शेखावत

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव की मतगणना के शुरुआती रुझानों में भाजपा की बढ़त से उत्साहित केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को कहा कि लोगों ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने के लिए मतदान किया है। शेखावत ने यहां संवाददाताओं से कहा, लोगों ने कांग्रेस की गारंटी को विफल कर दिया है। उन्होंने भ्रष्ट कांग्रेस को बाहर करने के लिए मतदान किया है।' उन्होंने कहा कि भाजपा भारी जनादेश के साथ राज्य में सरकार बनाएगी।

शेखावाटी में फिर रही कांग्रेस की धमक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के तीन जिलों सीकर, झुंझुनू, चूरू की कुल 21 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस को 14 भाजपा को 6 व बसपा को एक सीट मिली है। 2018 के चुनाव में कांग्रेस को 15 भाजपा को चार बसपा को एक वह एक निर्दलीय को मिली थी। हालांकि इस बार के चुनाव में जहां कांग्रेस को एक सीट का नुकसान हुआ है। वहीं भाजपा को दो सीटों का फायदा हुआ है। सीकर जिले की 8 विधानसभा सीटों में कांग्रेस ने सीकर, नीमकाथाना, दातारामगढ़, लक्ष्मणग, फतेहपुर सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं भाजपा ने खंडेला, श्रीमाधोपुर, धोद विधानसभा क्षेत्र में जीत का प्रथम लहराया है। राजस्थान की सबसे अधिक हॉट सीट माने जाने वाली लक्ष्मणगढ़ सीट पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा प्रत्याशी व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभार चौथी बार विधायक बने हैं। दो दिग्गज जाट नेताओं के मुकाबला के कारण पूरे राजस्थान की नजर इस सीट पर बनी हुई थी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व कई बार विधायक का चुनाव जीत चुके कांग्रेस प्रत्याशी महादेव सिंह खंडेला को उनकी परंपरागत खंडेला सीट पर चुनाव से पहले कांग्रेस से भाजपा में आए भाजपा प्रत्याशी सुभाष मील ने 42 हजार 763 वोटों से हरा दिया है। सीकर सीट पर पूर्व मंत्री राजेंद्र पारीक ने भाजपा के रतनलाल जलधारी को 30 हजार 038 वोटों से हरा दिया है। दातारामगढ़ सीट पर माकपा के राज्य सचिव अमराराम की जमानत जप्त हो गई है।

झुंझुनू जिले की मंडावा विधानसभा सीट पर झुंझुनू के मौजूदा भाजपा सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ को कांग्रेस की मौजूदा विधायक रीटा चौधरी ने 18 हजार 717 वोटो से हरा दिया है। वही झुंझुनू सीट पर परिवहन मंत्री बृजेंद्र ओला ने लगातार चौथी बार जीत दर्ज की है। सूरजगढ़ सीट पर भाजपा प्रत्याशी व पूर्व सांसद संतोष अहलावत को पूर्व विधायक व कांग्रेस प्रत्याशी श्रवण कुमार ने 35 हजार 653 वोटों से हरा दिया है। झुंझुनू जिले में नवलगढ़ व खेतड़ी को छोड़कर बाकी सभी पांच सीटों पर कांग्रेस का कब्जा हो गया है।

चूरू जिले की तारानगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को कांग्रेस के विधायक नरेंद्र बुडानिया ने 8705 मतों से हरा दिया है। राजेंद्र राठौड़ लगातार सात बार विधायक का चुनाव जीत चुके हैं तथा उन्होंने चूरू सीट को छोड़कर तारानगर से चुनाव लड़ा था। जहां उन्हें हर का मुंह देखना पड़ा। सादुलपुर सीट पर बसपा के मनोज न्यांगली ने कांग्रेस की कृष्णा पूनिया को 3489 वोटो से हरा दिया। चुरू जिले की 6 सीटों में से कांग्रेस को चार, भाजपा को एक व बसपा को एक सीट मिली है।

राजस्थान की राजनीति में कहा जाता है कि जिधर शेखावाटी का मतदाता बढ़-चढ़कर मतदान करता है। उसी पार्टी की प्रदेश में सरकार बनती है। मगर इस बार ऐसा नहीं हो पाया है। शेखावाटी की दो तिहाई सीटे जीतने के बावजूद भी कांग्रेस प्रदेश में सरकार बनने से वंचित रह गई है। हालांकि शेखावाटी में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के चुनाव जीतने से कांग्रेस की राजनीति में उनका प्रभाव बढ़ा है। वहीं भाजपा से नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ झुंझुनू के सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया के चुनाव हारने से उनकी राजनीति कमजोर पड़ेगी। शेखावाटी की कई सीटों पर भाजपा के बागी प्रत्याशी खड़े हो गए जिन्हें पार्टी नेतृत्व मना नहीं पाया जिसके चलते सीकर, झुंझुनू, पिलानी जैसी सीटों पर भाजपा के प्रत्याशियों को करारी हार झेलनी पड़ी। यदि भाजपा का प्रादेशिक नेतृत्व समय रहते हैं अपने बागी प्रत्याशियों को मनाने में सफल रहता तो हो सकता है इस क्षेत्र के परिणामों में कुछ बदलाव देखने को मिलता।

हाडौती में 11 सीटों पर खिला कमल, कांग्रेस 6 पर सिमटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। प्रदेश में भाजपा के गढ़ माने जाने वाले हाडौती संभाग के मतदाताओं ने मोदी के नेतृत्व में विश्वास जताकर भाजपा को 17 में से 11 सीटों पर जीत दिलाई। कोटा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विराट जनसभा के बाद संभाग में मोदी लहर का असर साफ दिखाई दिया। हालांकि कांग्रेस विकास कार्य एवं जातिगत समीकरण से 6 सीटों पर अपनी साख बचाने में सफल रही। कोटा जिले की 6 विधानसभा सीटों में भाजपा ने चार और कांग्रेस ने दो पर जीत दर्ज की है। हाडौती की चर्चित सीट कोटा उत्तर पर कांटे की टक्कर में कांग्रेस के पूर्व यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल 2 हजार 486 मतों से विजयी रहे। भाजपा के पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल 20 राउंड में कई बार आगे रहे लेकिन अंतिम दो राउंड में धारीवाल ने बाजी मारी।

कोटा दक्षिण से भाजपा विधायक संदीप शर्मा ने कांग्रेस की राखी गौतम को 11 हजार 962 मतों से हराया। उन्होंने 2018 की तुलना में इस बार 5 हजार अधिक मतों से हराया। लाडपुरा सीट से भाजपा विधायक कल्पना देवी ने कांग्रेस के नईमुद्दीन गुड्डु को 25 हजार 522 मतों से हराया। कांग्रेस ने पांचवी बार एक ही उम्मीदवार को फिर से टिकट दिया, जिससे उन्हें करारी हार का सामना करना पडा। सांगोद से भाजपा के हीरालाल नागर ने कांग्रेस के भानुप्रताप सिंह को 25 हजार 586 मतों से हराया। इस सीट से कांग्रेस के पूर्व विधायक भरतसिंह ने टिकट नहीं मिलने पर पार्टी के खिलाफ बगावत कर अंदरूनी नुकसान पहुंचाया। रामगंजमंडी आरक्षित सीट से भाजपा विधायक व पूर्व मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस के नये चेहरे महेंद्र राजोरिया को 18 हजार 422 मतों से हराया। पीपल्दा सीट से कांग्रेस के युवा प्रत्याशी चेतन पटेल कोलाना ने भाजपा के प्रेमचंद गोचर को 21 हजार 5 वोटों से परास्त कर कांग्रेस का खाता खोला। झालावाड जिले में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की लोकप्रियता एक बार फिर साबित हुई। जिले की झालरापाटन, डग व मनोहरथाना सीटों पर भाजपा ने फिर से कब्जा किया जबकि खानपुर में कांग्रेस को 20 साल बाद विजय मिली है। झालरापाटन में भाजपा की वसुंधरा राजे ने कांग्रेस के रामलाल चौहान को रिकॉर्ड 53 हजार 193 मतों से हराया। मनोहरथाना में भाजपा के गोविंद प्रसाद रानीपुरिया ने निर्दलीय प्रतिद्वंदी कैलाश मीणा को 24 हजार 865 मतों से हराया। यहां कांग्रेस प्रत्याशी नेमीचंद मीणा तीसरे स्थान पर रहे। डग आरक्षित सीट पर भाजपा के कालूराम मेघवाल ने कांग्रेस प्रत्याशी को 22 हजार 261 मतों से परास्त किया। यहां भाजपा के बागी प्रत्याशी रामचंद्र सुनारीवाल तीसरे स्थान पर रहे। दूसरी ओर, खानपुर सीट पर कांग्रेस के सुरेश गुर्जर ने भाजपा विधायक नरेंद्र नागर को 8 हजार 425 मतों से हराकर कांग्रेस को 20 साल बाद विजय दिलाई।

झालावाड़ बारां संसदीय सीट में बारां जिले की चारों सीटें जीतकर भाजपा ने कांग्रेस को करारा सबक सिखाया। बारां जिले की चारों सीट बारां अटरू, अंता, छबडा व किशनगंज पर भाजपा ने कब्जा किया है। कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ मंत्री प्रमोद जैन भाया को अंता में भाजपा के कंवरलाल मीणा ने 5 हजार 861 मतों से हराया।

भाजपा मुख्यालय में जश्न का माहौल

जयपुर/दक्षिण भारत। मतगणना के दोपहर एक बजे तक के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बढ़त मिलने के साथ ही यहां पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं को जश्न मनाते देखा जा सकता है, वहीं चुनाव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए बनाए गए पार्टी के 'वार रूम' में सन्नाटा छाया हुआ है। भाजपा कार्यकर्ता सुबह-सुबह ही पार्टी कार्यालय पहुंच गए और रुझानों में पार्टी को कांग्रेस पर बढ़त मिलती दिखाई देने के साथ ही उन्होंने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाना शुरू कर दिया।

पार्टी कार्यालय में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता भी हैं। उन्होंने 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए। पार्टी के एक कार्यकर्ता ने दावा किया, 'भाजपा को प्रचंड जीत मिलने जा रही है और वह सरकार बनाएगी। वहीं कांग्रेस कार्यालय में कोई कार्यकर्ता नजर नहीं आया और सभी नेता कार्यालय के अंदर बैठकर रुझानों का आकलन कर रहे हैं। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के मुताबिक, राज्य की 199 सीटों के लिए अब तक आए रुझानों में 112 सीटों पर भाजपा, जबकि 70 सीटों पर कांग्रेस आगे है।

ज्ञानवापी परिसर के सर्वेक्षण का आदेश देने वाले न्यायाधीश के भाई को सुरक्षा दी गई

शाहजहांपुर (उप्र)/भाषा। शाहजहांपुर जिले में तैनात दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) को प्रशासन ने उनके आग्रह पर सुरक्षा उपलब्ध कराई है। दीवानी न्यायाधीश सीनियर डिवीजन (त्वरित न्यायालय) दिनेश कुमार दिवाकर के बड़े भाई न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने वाराणसी के ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले की सुनवाई की थी।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) अशोक कुमार मीणा ने बताया कि शाहजहांपुर में तैनात दीवानी न्यायाधीश सीनियर डिवीजन (त्वरित न्यायालय) दिनेश कुमार दिवाकर ने इससे पूर्व पत्र लिखकर उन्हें अवगत कराया था कि उनके बड़े भाई रवि कुमार दिवाकर वाराणसी में दीवानी न्यायाधीश थे जिन्होंने ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले की सुनवाई करते हुए वर्ष 2022 में ज्ञानवापी परिसर में वीडियोग्राफी सर्वेक्षण के आदेश दिए थे। उन्होंने बताया कि पत्र में दीवानी न्यायाधीश ने इस बात का जिक्र किया है कुछ दिन पहले लखनऊ में उनके आवास के पीछे प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का एक एजेंट भी पकड़ा गया था, लिहाजा यहां उन्हें तुरंत सुरक्षा मुहैया कराई जाए। न्यायाधीश ने पत्र में यह भी कहा है कि उच्च न्यायालय ने उन्हें तथा उनके पूरे परिवार को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पूर्व में आदेश भी दिया था।

मीणा ने बताया की सिविल जज दिनेश कुमार दिवाकर को मांगी गई सुरक्षा शनिवार को उपलब्ध करा दी गई है। दीवानी न्यायाधीश दिनेश कुमार दिवाकर के भाई रवि कुमार दिवाकर ने वर्ष 2022 में वाराणसी के दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) के पद पर रहते हुए ज्ञानवापी परिसर में वीडियोग्राफी सर्वेक्षण के आदेश दिए थे। इस सर्वेक्षण के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने में एक आकृति मिली थी। हिंदू पक्ष ने इसके शिवलिंग होने का दावा किया था जबकि मुस्लिम पक्ष उसे फौव्वारा बता रहा है।

संसद के शीतकालीन सत्र के हंगामेदार रहने के आसार

नई दिल्ली/भाषा। हिंदी पट्टी के तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में अपनी जीत से उत्साहित भारतीय जनता पार्टी सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष को घेरने की कोशिश करेगी, जबकि विपक्षी दल मणिपुर तथा जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग जैसे कुछ विषय उठाने का प्रयास कर सकते हैं।

इस सत्र के दौरान लोकसभा में उस वक्त हंगामा हो सकता है, जब सदन की आचार समिति की रिपोर्ट पेश की जाएगी, जिसमें तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को 'रिश्वत लेकर सवाल पूछने' के आरोप में निष्कासित करने की सिफारिश की गई है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेता संसद के अंदर और चुनावी मैदान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा से मुकाबला करने के लिए अपनी रणनीतियों को नए सिरे से तैयार करने के लिए सोमवार सुबह बैठक करेंगे।

शीतकालीन सत्र के बारे में पूछे जाने पर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''अगर विपक्ष संसद को बाधित करता है, तो उसे आज (रविवार) से भी बुरे नतीजों का सामना करना पड़ेगा।'' सरकार ने शीतकालीन सत्र की 15 बैठकों के लिए एक भारी विधायी एजेंडा पेश किया है, जिसमें औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों के स्थान पर लाए गए प्रमुख विधेयक, निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए एक रूपरेखा प्रदान करने से संबंधित विधेयक शामिल है।

संसद में 'सवाल पूछने के लिए पैसे लेने' से संबंधित शिकायत पर मोइत्रा को निचले सदन से निष्कासित करने की सिफारिश करने वाली लोकसभा की आचार समिति की रिपोर्ट भी सत्र के पहले दिन सोमवार को सदन में पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध है।

चुनाव: भाजपा की जीत प्रधानमंत्री मोदी पर लोगों के 'अटूट' विश्वास का सबूत: भाजपा मुख्यमंत्री

बोले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में लोगों का है अटूट विश्वास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने कहा कि रविवार को तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में हुई पार्टी की जीत से पता चलता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में लोगों का ''अटूट'' विश्वास है। उन्होंने कहा कि लोगों ने कांग्रेस के ''खोखले वादों'' को खारिज कर दिया।

भाजपा राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जीत की ओर बढ़ रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा, ''यह कल्याणकारी नीतियों, सुशासन पर जनता की मुहर है।'' उन्होंने कहा, ''राजस्थान और छत्तीसगढ़ के नतीजों से पता चलता है कि लोगों ने कांग्रेस के खोखले वादों को खारिज कर दिया है।''

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस जीत को ''हैट्रिक'' और ''मोदी की गारंटी'' पर ''लोगों के भरोसे की गारंटी'' बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई दी है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भाजपा की जीत साबित करती है कि लोगों ने विकास के लिए और ''परिवारवाद, जाति और तुष्टीकरण'' की राजनीति के खिलाफ मतदान किया।

धामी ने कहा, ''लोगों ने अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने परिवारवाद, जाति, तुष्टिकरण और सनातन विरोधी राजनीति को खारिज कर दिया है। यह दर्शाता है कि भाजपा 2024 में भारी जनादेश के साथ नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्रित्वकाल में फिर से सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

धामी ने 'एक्स' पर कहा, ''तीन राज्यों में ''जबरदस्त जीत'' भी भारतीय जनता पार्टी प्रमुख जे पी नड्डा के नेतृत्व में करोड़ों समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने कहा, ''मैं इस ऐतिहासिक जीत पर तीनों राज्यों की जनता और करोड़ों मेहनती पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं।''

देश में केवल प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी काम करती है : भाजपा अध्यक्ष नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को कहा कि विधानसभा चुनावों के नतीजों से साबित हो गया है कि देश में केवल एक गारंटी है और वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी है।

नड्डा ने जाति के आधार पर देश को विभाजित करने की विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के कथित प्रयासों की आलोचना की।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पार्टी को मिली जीत का श्रेय प्रधानमंत्री को देते हुए भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि मोदी ने हर चुनाव प्रचार अभियान का अग्रिम मोर्चे से नेतृत्व किया।

नड्डा ने कहा, ''चुनाव नतीजों ने यह संदेश दिया है कि राष्ट्र ने समझा है कि केवल मोदी जी निर्णायक नेतृत्व दे सकते हैं और किसानों, गरीबों, वंचित वर्गों को सशक्त कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस चुनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश में केवल एक गारंटी है, वह मोदी की गारंटी है।'' उन्होंने यह भी आरोप लगाया, ''इंडी अलायंस (इंडिया गठबंधन) ने जातिवाद का प्रसार करने की कोशिश की, उन्होंने समाज को बांटने की कोशिश की, और तुष्टिकरण की राजनीति की...लेकिन राष्ट्र ने विकास को चुना।''

नड्डा ने कहा कि विपक्षी पार्टियां अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के बारे में बात कर सकती हैं, लेकिन मोदी देश में ओबीसी समुदाय के सबसे बड़े नेता बने रहेंगे।

उन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियां करने को लेकर कांग्रेस की भी आलोचना की और कहा कि इससे विपक्षी दल (कांग्रेस) को ही नुकसान उठाना पड़ेगा। नड्डा ने कहा कि समाज के सभी वर्गों ने भारतीय जनता पार्टी को वोट दिया, और उन्होंने पार्टी की जीत के लिए लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

इस बीच, मोदी ने नड्डा की सराहना की और कहा कि उन्होंने (नड्डा ने) रणनीतियों और नीतियों को जिस तरह से लागू किया, उसी का परिणाम चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन के रूप में दिखा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह जीत, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डाजी द्वारा लागू की गई उनकी नीतियों और रणनीतियों का परिणाम है। चुनावों के दौरान उनके परिवार में एक दुखद घटना हुई, लेकिन इसके बावजूद भी नड्डाजी ने भाजपा कार्यकर्ता के रूप में दिन-रात काम किया।''

नव कर्मचारियों से अरूणाचल के मुख्यमंत्री बोले- किसी के प्रभाव में न आएं, ईमानदारी की मिसाल कायम करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा है कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से कहा कि वे किसी के भी प्रभाव में नहीं आयें और इसके बजाय ईमानदारी के लिए कीर्तिमान स्थापित करें।

विभिन्न विभागों में समूह सी और समूह डी के नव नियुक्त 144 कर्मचारियों से बातचीत करते हुए खांडू ने कहा कि एक भ्रष्ट कर्मचारी का प्रभाव सभी कर्मचारियों और सरकार पर पड़ता है। नव नियुक्त कर्मचारियों का चयन अरूणाचल प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड (एपीएसएसबी) की ओर से आयोजित संयुक्त स्नातक स्तर परीक्षा (सीजीएलई) और संयुक्त उच्चतर माध्यमिक स्तर परीक्षा (सीएचएसएलई) के जरिए किया गया। उन्होंने कहा, अब आप सरकारी कर्मचारी हैं, एक पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से आए हैं, तो आपकी जिम्मेदारी है कि आप अपने कर्तव्यों के निर्वहन में पारदर्शिता और ईमानदारी की प्रवृत्ति को बनाए रखें। खांडू ने कुछ कर्मचारियों के भ्रष्ट आचरण के शिकार होने पर चिंता व्यक्त की।

एथर एनर्जी अपने चार्जिंग कनेक्टर को मुफ्त में साझा करने के लिए तैयार

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माता एथर एनर्जी मानक के रूप में स्वीकृत अपने चार्जिंग कनेक्टर को इस उद्योग की कंपनियों को मुफ्त में अपनाने की सुविधा देने के लिए तैयार है। कंपनी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी रवनीत एस फोकेला ने यह जानकारी दी। इस साल अक्टूबर में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने एथर एनर्जी के स्वदेशी तौर पर विकसित एसी और डीसी संयुक्त चार्जिंग कनेक्टर को मंजूरी दी थी। इसे हल्के इलेक्ट्रिक वाहनों (एलईवी) - इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के साथ-साथ माइक्रो कारों के लिए मानक दर्जा मिला है।

कंपनी मार्च, 2024 तक अपने चार्जिंग नेटवर्क को मौजूदा 1,600 से बढ़ाकर 2,500 करने पर भी काम कर रही है। इसके साथ ही कंपनी अपने चार्जिंग कनेक्टर को अपनाने के लिए अन्य विनिर्माताओं के साथ भी बातचीत कर रहा है। फोकेला ने पीटीआई-भाषा से कहा, इस चार्जिंग कनेक्टर पर हमें एक बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकार मिला हुआ है। हम कई मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) से बात कर रहे हैं और उनसे कहा है कि यदि वे इसे अपनाना चाहते हैं, तो हम उनकी मदद करेंगे। फोकेला ने कहा कि एथर एनर्जी अपने चार्जिंग कनेक्टर की विशेषज्ञता को अन्य ईवी कंपनियों के साथ साझा करने को तैयार है। फोकेला ने कहा, हम इसके लिए पैसा लेने की नहीं सोच रहे हैं। हम बुनियादी ढांचे पर प्रतिस्पर्धा नहीं करना चाहते हैं। हम चार्जिंग पक्ष पर सहयोग करना चाहते हैं और वाहन पक्ष पर प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह ईवी उद्योग के लिए अच्छा संकेत है क्योंकि अगर चार्जिंग बुनियादी ढांचे को सुसंगत बनाया जा सकता है तो यह स्वतंत्र उद्यमों को बुनियादी ढांचा स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

अशरफ की पत्नी जैनब का मकान कुर्क किया गया

प्रयागराज/भाषा। उमेश पाल हत्याकांड के बाद से फरार खालिद अजीम उर्फ अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा का पूरामुफ्ती थाना अंतर्गत सल्लाहपुर स्थित मकान रविवार को कुर्क किया गया। एसीपी धूमनगंज वरुण कुमार ने बताया कि माफिया अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा उमेश पाल हत्याकांड में अभियुक्त है। माननीय न्यायालय से भादंसं की धारा 83 के तहत प्राप्त आदेश के अनुरूप पूरामुफ्ती थाना अंतर्गत सल्लाहपुर में जैनब का मकान आज कुर्क किया गया। जैनब फातिमा उमेश पाल हत्याकांड के बाद से फरार है। जांच के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि यह मकान वक्फ की जमीन पर कब्जा करके बनाया गया है।

वक्फ की जमीन को कब्जाने का भी मुकदमा पूरामुफ्ती थाना में दर्ज हुआ है। इससे पूर्व शनिवार को प्रयागराज पुलिस ने उमेश पाल हत्याकांड से जुड़े अभियुक्त गुड्डू मुस्लिम और साबिर के मकानों को कुर्क किया था। बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की 25 फरवरी, 2023 को दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उमेश पाल की पत्नी जया पाल की तहरीर पर धूमनगंज थाना में माफिया अतीक अहमद, उसके भाई अशरफ, पत्नी शाइस्ता परवीन, अतीक के दो बेटों, गुड्डू मुस्लिम और गुलाम के अलावा नौ अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

प्राकृतिक गैस में बायोगैस के मिश्रण से 1.17 अरब डॉलर की विदेशी पूंजी बचेगी: आईबीए

नई दिल्ली/भाषा। देश भर में आपूर्ति की जाने वाली प्राकृतिक गैस में पांच प्रतिशत बायोगैस के मिश्रण से सालाना 1.17 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकेगी। इंडियन बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) ने एक अध्ययन में यह कहा।

सरकार ने 'संपीडित बायोगैस सम्मिश्रण दायित्व' (सीबीओ) योजना के तहत पीएनजी में एक अप्रैल, 2025 से एक प्रतिशत बायोगैस का मिश्रण अनिवार्य करने का हाल ही में फैसला किया है। पाइपलाइन वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में बायोगैस के मिश्रण को वित्त वर्ष 2028-29 तक बढ़ाकर पांच प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। इस अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, यह पहल भारत को गैस-आधारित अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में सरकार के व्यापक कदम के अनुरूप है।

इसका लक्ष्य ऊर्जा मिश्रण में गैस की मौजूदा हिस्सेदारी को छह प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2030 तक 15 प्रतिशत करना है। आईबीए का कहना है कि प्राकृतिक गैस में बायोगैस के पांच प्रतिशत मिश्रण से 1.17 अरब डॉलर का एलएनजी आयात घटाया जा सकता है। इससे प्रति व्यक्ति कार्बन डाई-ऑक्साइड उत्सर्जन में भी दो प्रतिशत की कमी आ सकती है।

इसके साथ ही जैविक कचरे को कूड़ाघरों में जाने से भी रोका जा सकेगा जिसके कई लाभ हो सकते हैं। बायोगैस का उत्पादन कृषि अपशिष्ट, शहरी ठोस अपशिष्ट और खाद्य अपशिष्ट जैसे विभिन्न जैविक अपशिष्ट स्रोतों से किया जा सकता है। सरकार का अनुमान है कि सीबीओ योजना लगभग 37,500 करोड़ रुपये के निवेश को बढ़ावा देगी और वर्ष 2028-29 तक 750 संपीडित बायो गैस (सीबीजी) परियोजनाएं स्थापित करने में मदद करेगी। आईबीए के मुताबिक, बायोगैस के मिश्रण से भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सुधार होगा क्योंकि वह फिलहाल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए आयातित प्राकृतिक गैस पर बहुत अधिक निर्भर है। पीएनजी और सीबीजी के साथ बायोगैस का मिश्रण इस निर्भरता को कम करने में मददगार हो सकता है।

आरोपी को जमानत का हकदार बताकर भी सीमित अवधि के लिए राहत देना गैरकानूनी: उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि जब कोई अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि किसी आरोपी को मुकदमा लंबित रहने के दौरान जमानत पाने का अधिकार है तो केवल सीमित अवधि के लिए यह राहत देना 'अवैध' है और इस तरह के आदेश स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं।

शीर्ष अदालत स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी तत्व (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत कथित अपराधों के लिए मुकदमे का सामना कर रहे एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

उसने कहा कि इस तरह के आदेशों से वादी पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है, क्योंकि उसे पहले दी गई राहत के विस्तार के लिए नई याचिका दायर करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने 29 नवंबर को पारित आदेश में कहा, ''जब कोई अदालत कहती है कि आरोपी को मुकदमा लंबित रहते हुए जमानत का अधिकार है तो केवल सीमित अवधि के लिए ही जमानत देना अवैध है। इस तरह के आदेश संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं।''

व्यक्ति ने उड़ीसा उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश का अध्ययन करने से पता चलता है कि न्यायाधीश ने यह निष्कर्ष निकाला था कि अपीलकर्ता को जमानत पर रिहा होने का अधिकार है।

पीठ ने कहा कि हालांकि, उसे 45 दिन के लिए अंतरिम जमानत दी गई।

उसने कहा, ''संक्षिप्त में कहें तो उच्च न्यायालय की राय है कि सुनवाई समाप्त नहीं होने की संभावना के बीच लंबे समय तक कैद में रहने से जमानत दिये जाने का मामला बनता है।''

झारखंड के मुख्यमंत्री यदि बेकसूर हैं तो उन्हें ईडी का सामना करना चाहिए: मरांडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धनबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार को कथित भ्रष्टाचार और राज्य में कानून व्यवस्था की खराब स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया।

पूर्व मुख्यमंत्री मरांडी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''अपराधियों, कोयला चोरों और पुलिस के बीच साठ गांठ ने झारखंड में कानून-व्यवस्था की स्थिति को पंगु बना दिया है। कोयला संपन्न धनबाद में पूरी मशीनरी कोयला चोरी में शामिल है और इसका हिस्सा मुख्यमंत्री को सीधे जाता है।'' मरांडी ने सोरेन पर ''ईडी से भागने'' का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''यदि मुख्यमंत्री ने कुछ गलत नहीं किया है, तो वह ईडी से भाग क्यों रहे हैं? यदि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया और कोई 'काली कमाई' नहीं की, तो उन्हें ईडी का साहस के साथ सामना करना चाहिए।'' मरांडी ने कहा, ''झारखंड में अपराध और बेरोजगारी चरम पर है। राज्य के युवाओं का पलायन जारी है। रोजगार की खराब स्थिति के कारण नौकरी के लिए उत्तराखंड गए झारखंड के 15 मजदूर सुरंग में फंस गए थे।''

पड़ोसी देशों से आए एफडीआई प्रस्तावों में आधे को मंजूरी दी गई: अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार को भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से अप्रैल, 2020 से अब तक लगभग एक लाख करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्ताव मिले हैं। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इनमें से करीब आधे प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है। बाकी निवेश प्रस्ताव या तो लंबित हैं या उन्हें वापस ले लिया गया है या अस्वीकार कर दिया गया है। भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देश चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान हैं।

सरकार ने अप्रैल, 2020 में भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से विदेशी निवेश के लिए पूर्व-मंजूरी को अनिवार्य कर दिया था। कोविड-19 महामारी के बाद घरेलू कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण को रोकने के लिए ऐसा किया गया। इस फैसले के अनुसार किसी भी क्षेत्र में निवेश के लिए पड़ोसी देशों से आने वाले एफडीआई प्रस्तावों पर पहले सरकार की मंजूरी लेनी जरूरी है। एक सरकारी अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर कहा, 'इस फैसले के बाद लगभग एक लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव आए हैं जिनमें से 50 प्रतिशत को मंजूरी दे दी गई है। बाकी या तो लंबित हैं या वापस ले लिए गए हैं या खारिज कर दिए गए हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'इस तरह इन देशों से एफडीआई आना पूरी तरह बंद नहीं है। हम आवेदनों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। यह इस पर निर्भर करता है कि ये प्रस्ताव हमारी विनिर्माण क्षमताओं में मूल्य जोड़ रहे हैं या नहीं।'

रिंकू टी20 विश्व कप के दावेदार हैं, पर यह कहना अभी जल्दबाजी होगी: आशीष नेहरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा के अनुसार बायें हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह भारत की टी20 विश्व कप टीम में 'फिनिशर' स्थान के लिए दावेदार के रूप में सामने आये हैं लेकिन उनका मानना है कि साथी खिलाड़ियों से उन्हें इस स्थान के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

टी20 विश्व कप अगले साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जायेगा। रिंकू आस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में शानदार फॉर्म में हैं। शुक्रवार को चौथे मैच में उन्होंने 29 गेंद में 46 रन की पारी खेली और भारत की 20 रन की जीत में अहम भूमिका अदा की और इससे टीम शृंखला 3-1 से अपने नाम करने में सफल रही। नेहरा ने 'जियो सिनेमा' पर कहा, ''इसमें कोई शक नहीं कि रिंकू भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल होने के दावेदार हैं। लेकिन विश्व कप अभी काफी दूर है और जिस स्थान के लिए वह दावेदार है, उसके लिए कई और खिलाड़ी उन्हें चुनौती पेश करेंगे।''

रिंकू ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा शृंखला में कुछ अच्छी पारियां खेलीं जिसमें तिरूवनंतपुरम में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उनकी नौ गेंद में नाबाद 31 रन की पारी ने भारत की 44 रन की जीत में बड़ी भूमिका अदा की थी। रोहित शर्मा और विराट कोहली टी20 विश्व कप के लिए भारत की योजना का हिस्सा होंगे या नहीं, इस पर कोई स्पष्टता नहीं है तो टीम में कई बड़े बदलाव हो सकते हैं और रिंकू 'स्लॉग ओवर' के लिए प्रबल दावेदार हो सकते हैं।

क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इस पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा, ''आप जितेश शर्मा (विकेटकीपर बल्लेबाज) और तिलक वर्मा को भी देख सकते हो। इसलिये चर्चा करनी होगी कि श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या किन स्थानों पर खेलेंगे।'' नेहरा ने कहा, ''हमें देखना होगा कि 15 सदस्यीय टीम में कितने स्थान उपलब्ध हैं। लेकिन एक बात तो है कि रिंकू ने सभी को दबाव में ला दिया है। लेकिन अभी विश्व कप में काफी समय है। दक्षिण अफ्रीका का दौरा है और इसके बाद आईपीएल।''

भारत-नेपाल सीमा को अवैध रूप से पार करने के प्रयास में चीनी नागरिक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बहराइच (उप्र)/भाषा। भारत-नेपाल सीमा अवैध रूप से पार करते हुए पकड़े जाने के बाद एक चीनी नागरिक को रुपईडीहा में गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बौद्ध भिक्षु के भेष में नेपाल में प्रवेश करने के लिए अवैध रूप से सीमा पार करने की कोशिश कर रही महिला को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) कर्मियों ने शनिवार को गिरफ्तार किया।

एसएसबी के सूत्रों के अनुसार महिला के चीनी पासपोर्ट पर नेपाल का वीजा है जो कि 19 नवंबर 2023 से 16 फरवरी 2024 तक के लिए नेपाल में वैध है। ली जिन मेई नामक यह महिला चीन से नेपाल के त्रिभुवन हवाई अड्डे पर उतरी थी। उन्होंने बताया कि चीनी महिला के भारत में प्रवेश और वापसी के मकसद को लेकर जांच की जा रही है। एसएसबी ने चीनी महिला के खिलाफ रुपईडीहा थाने में विदेशी अधिनियम की सुसंगत धारा के तहत मामला दर्ज कराया है।

एसएसबी के कमांडेंट जी. एस. अदावत ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि महिला ने बौद्ध भिक्षु के भेष में नेपाल में घुसने का प्रयास किया, जिसके बाद जवानों को उस पर संदेह हुआ।

सुविचार

जरा सोचो हज़ारो गलतियों के बाद भी आप अपने आप से प्यार करते है, तो फिर किसी दूसरे की गलती पर उससे नफरत क्यों करने लगते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एआई की माया

प्राचीन ग्रंथों में देवों और दानवों की कथाएं बहुत पढ़ने को मिलती हैं। देवता जहां अपनी शक्ति का उपयोग सत्य की रक्षा करने के लिए करते थे, वहीं दानव थोड़ी-सी भी शक्ति पा जाते, तो चहुंओर त्राहि-त्राहि मचा देते। कई दानव माया का ज्ञान भी प्राप्त कर लेते थे, जिससे वे वेश बदलकर बड़े-बड़े पाप और पाखंड में लिप्त हो जाते थे। इन दिनों एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से डीपफेक वीडियो बनाने की कला भी ऐसे लोगों के हाथों में आ गई है, जिसके बूते उन्होंने आम लोगों को लूटना शुरू कर दिया है। पिछले दिनों अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का 'डीपफेक वीडियो' सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, अब एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी का डीपफेक बनाकर गाजियाबाद में एक बुजुर्ग से ठगी की जो घटना हुई है, वह रोंगटे खड़े कर देने वाली है। वीडियो को देखकर कहीं से भी आभास नहीं होता कि यह फर्जी है। इस वीडियो में वे अधिकारी धमकी देते नजर आते हैं। यही नहीं, इस वीडियो से साइबर ठग ने उन बुजुर्ग से 74 हजार रुपए ठग लिए। उसने और रुपयों के लिए सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी का चेहरा सामने रखकर वीडियो कॉल किया तो बुजुर्ग की बेटी ने दूसरे मोबाइल फोन से वीडियो रिकॉर्ड कर लिया और पुलिस को सूचित कर दिया। बाद में पता चला कि यह डीपफेक वीडियो है और इसमें दिखाई दे रहे अधिकारी अब सेवारत नहीं हैं और न उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए उन बुजुर्ग से संपर्क किया था! वीडियो में अधिकारी के चेहरे और आवाज का इस्तेमाल किया गया था। यह तो अच्छा हुआ कि उन बुजुर्ग ने अपनी बेटी से इस बात का जिक्र कर दिया, जिसके बाद उन्होंने पुलिस की मदद ली। अन्यथा साइबर ठग उनकी जीवनभर की जमा-पूंजी ले उड़ते।

बड़ा सवाल है- जब कभी पुलिस या किसी जांच एजेंसी के नाम से फर्जी वीडियो कॉल आता है तो लोग उनके झांसे में क्यों आ जाते हैं? इसका जवाब है- डर। जी हां, साइबर ठग आम जनता के 'डर' का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करते हैं। भारत में पुलिस के साथ आम जनता के संबंध मधुर नहीं माने जा सकते। सीधे और शरीफ लोगों के मन में पुलिस की जो छवि है, उसकी वजह से वे उसके साथ अपनी समस्या साझा करने से डरते हैं। साइबर अपराधी इस बात से भलीभांति परिचित हैं। वे इसी डर का फायदा उठाकर शरीफ लोगों को धमकाते हैं। कभी कहते हैं कि आपके नाम पर जो पार्सल आया है, उसमें गांजा या कोई आपत्तिजनक चीज मिली है। किसी को यह कहकर डराया जाता है कि आपके आधार कार्ड पर आतंकवादियों ने सिम ले रखी है। कोई व्यक्ति इस धौंस में आ जाता है कि जिस लड़का / लड़की से आप ऑनलाइन बातचीत करते थे, उसने आत्महत्या कर ली है। ठगों के पास ऐसे बहानों की लंबी सूची है, जिनमें से किसी एक को चुनकर वे लोगों को डराते हैं, फिर उनके बैंक खाते खाली कर देते हैं। ऐसी स्थिति में पीड़ित को पुलिस थाने जाकर शिकायत दर्ज करानी चाहिए, लेकिन उसके मन में डर होता है कि कहीं वहां मुझसे अभद्र व्यवहार न हो जाए ... मुझे गिरफ्तार कर जेल में न डाल दिया जाए! वह अंदर ही अंदर घुटन महसूस करता रहता है। डीपफेक वीडियो बनाकर लोगों को ठगने वाले इंटरनेट के दानवों को कानून की नकेल डालनी होगी। इसके साथ ही जनता और पुलिस के बीच अविश्वास की खाई को पाटना जरूरी है। ऐसा माहौल बनाया जाए कि अगर किसी को साइबर ठग सताए तो पीड़ित बेखौफ होकर पुलिस के पास जाए और वहां अधिकारी हमदर्दी से पेश आते हुए उसकी मदद करें। अन्यथा भविष्य में साइबर ठग डीपफेक से और भी बड़े अपराध कर सकते हैं।

सामयिक

चुनाव परिणामों पर आश्चर्य कैसा?

अवधेश कुमार
मोबाइल -9811027208

राज्य विधानसभाओं के चुनाव परिणाम उनके लिए किंचित भी आश्चर्य का विषय नहीं है जो भारत और इन राज्यों के बदले हुए राजनीतिक वातावरण को देख रहे थे। ये चुनाव परिणाम मतदाताओं के तात्कालिक संवेग की अभिव्यक्ति नहीं हैं। ये परिणाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और राज्य स्तर पर भाजपा के संदर्भ में बने संपूर्ण माहौल की परिणिति हैं। देश का माहौल बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा भाजपा विरोधी प्रस्तुत कर रहे थे। अगर आप उनके पूर्व आकलनों को आधार बनाएं तो भाजपा को एक राज्य में भी विजय नहीं मिलनी चाहिए थी। मध्यप्रदेश में अगर बीच के 15 महीने के कमलनाथ सरकार को छोड़ दें तो करीब 19 वर्ष तक शासन करने के बावजूद भाजपा इतनी बड़ी विजय प्राप्त करती है तो फिर समान्य विश्लेषणों से परिणाम की सच्चाई नहीं समझी जा सकती। मध्यप्रदेश में भाजपा को करीब 497 और कांग्रेस को 407 मत मिला है। 97 बहुत बड़ा अंतर है। राजस्थान में भी लगभग दो प्रतिशत मतों का अंतर है जबकि पिछली बार कांग्रेस को बीजेपी से केवल करीब.25 प्रतिशत ज्यादा वोट मिले थे। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने पिछली बार करीब 33 प्रतिशत और कांग्रेस ने 43 प्रतिशत वोट पाया था जबकि इस बार भाजपा को 457 से अधिक तथा कांग्रेस का वोट लगभग 397 तक सिमटा है। यानी भाजपा ने 127 से ज्यादा मत हासिल किया, जबकि कांग्रेस का 47 वोट कट गया। तो इस तरह के परिणामों के कारण क्या हैं?

परंपरागत आधार पर विश्लेषण करने वाले मध्यप्रदेश में कमलनाथ और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के जाति कारक से लेकर लाडली योजना, राजस्थान में पेपर लीक से लेकर भ्रष्टाचार तथा इसी तरह छत्तीसगढ़ में भी बघेल सरकार के विरुद्ध भ्रष्टाचार आदि का उल्लेख कर रहे हैं। ये सब भी मुद्दे के रूप में थे। शिवराज सिंह भाजपा के मुख्यमंत्री के घोषित उम्मीदवार नहीं थे। चुनावों में शीर्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम था। कांग्रेस की गारंटी घोषणाओं के समानांतर मोदी ने कहा कि मेरा नाम ही गारंटी है। परिणामों को आधार बनाएं तो स्वीकारना पड़ेगा कि फ्री बीज यानी मुफ्त घोषणाओं के समानांतर मतदाताओं ने मोदी को स्वीकार किया। कांग्रेस ने सभी राज्यों में पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा की थी। यह सरकारी कर्मचारियों की दृष्टि से सर्वाधिक आकर्षक घोषणा थी और इसे लेकर देशव्यापी आंदोलन का भी ऐलान हो चुका है। हिमाचल और कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणामों का एक बड़ा कारण पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा मानी गई थी। इन राज्यों में यह सफल क्यों हो गया? तेलंगाना में के चन्द्रशेखर राव भी इसके लिए तैयार थे। इस पहलू को आधार बनाकर विचार करें तो न केवल इन परिणामों की सच्चाई बल्कि 2024 लोकसभा चुनाव की भी झलक मिल जाएगी।

राजनीति में नेतृत्व मात्र चेहरा नहीं होता। वह विचारों और व्यवहार का समुच्चय होता है जिसके आधार पर मतदाता अपना मत तय करते हैं। नरेंद्र मोदी स्पष्ट विचारधारा को प्रतिबिंबित करते हैं जिसे केंद्र और भाजपा की राज्य सरकारें नीतियों और व्यवहारों में लागू कर रहीं हैं। इसके साथ वक्तव्यों और व्यवहारों से भावी कदमों की झलक भी दिया है। दरअसल, 2014 के बाद राजनीति, सत्ता और नेतृत्व को लेकर भारत के बदले हुए सामूहिक मनोविज्ञान और मतदाताओं के व्यवहार को न समझने के कारण ही ऐसे परिणाम आश्चर्य में डालते हैं। राजनीति में भाजपा और राजनीति से बाहर पूरे संगठन परिवार ने हिंदुत्व और उसके इर्द-गिर राष्ट्र भाव का धीरे-धीरे सशक्त माहौल बनाया है जिससे देश का सामूहिक मनोविज्ञान बदला है। कर्नाटक और हिमाचल में भी भाजपा के मत नहीं घटे, जबकि दोनों जगह कार्यकर्ताओं और समर्थकों के अंदर व्यापक असंतोष प्रकट हो रहा था। इन परिणामों को किसी ने भाजपा की विचारधारा, नीतियों और नरेंद्र मोदी की अस्वीकृति मान ली तो यह उनकी गलती है। इसके आधार पर मतदाता मत निर्धारित नहीं कर सकते।

स्वाभाविक ही मतदाताओं के मन में प्रश्न उठा कि कांग्रेस हिंदुत्ववादी है तो उनके विरुद्ध खड़ा क्यों नहीं हो रही? नई संसद भवन की धार्मिक कर्मकांडीय तरीके से उद्घाटन और सिंगोल की पुनर्स्थापना के संदेश को भी कांग्रेस और विरोधी नहीं समझ सके तथा उसका बहिष्कार किया। भाजपा ने राम मंदिर से लेकर काशी, महाकाल, केदारनाथ, बद्रीनाथ ,समान नागरिक संहिता, मजहबी कट्टरवाद व आतंकवाद सबको मुख्य मुद्दा बनाया तथा कांग्रेस को रक्षात्मक होना पड़ा। क्या यह संभव है कि भारत में आजादी के बाद आतंकवादी संगठन आइसिस की शैली में उदयपुर में कन्हैयालाल को जिबह की घटना जनता भूल जाएगी? हिंदू धर्म संबंधी शोभा यात्राओं पर हमले की शुरुआत राजस्थान से हुई। शोभा यात्राओं पर हमले कई राज्यों में ज्यादा खतरनाक रूप में सामने आए इसलिए यह संपूर्ण देश के लिए मुद्दा है। कोई कहे कि भाजपा केवल हिंदू मुस्लिम की बात करती है इससे लोगों के अंदर पैठा भाव खत्म नहीं होता। राजस्थान में सन 2008 में जयपुर आतंकवादी हमले के सारे आरोपियों के न्यायालय से रिहा होने की भी जनता में प्रतिक्रिया थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह दोनों ने अपनी सभाओं में इन्हें प्रमुखता से उठाया।

विधानसभा चुनाव में भाजपा की पराजय का मुख्य कारण पार्टी एवं समर्थकों का असंतोष और विद्रोह रहा है। सच है कि भाजपा सरकारों में उनके समर्थकों और कार्यकर्ताओं की दर्दनाक अनदेखी हुई है। भाजपा ने मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को चुनाव का बागडोर कमाने की जगह केंद्रीय नेताओं को उतार कर पार्टी के अंदरूनी विरोधी रुझान को लगभग खत्म कर दिया। सत्ता में न रहते हुए भी छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भाजपा ने यही कदम उठाया और वहां के नेतृत्व के प्रति जो असंतोष था वह भी लगभग खत्म हो गया। नरेंद्र मोदी के नाम से भाजपा के अंदर मतभेद है नहीं।

दूसरी ओर कांग्रेस ने चुनावों को एक हद तक अपनी फ्रीबीज घोषणाओं हिंदुत्व तथा नरेंद्र मोदी, संघ और भाजपा के विरुद्ध नकारात्मक अभियानों में सिमट दिया। जब कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री को पनौती तथा उनके साथ गृह मंत्री को पॉकेटमारों के गैंग का हिस्सा बताएंगे तो जनता में उसकी प्रतिक्रिया होगी। तेलंगाना में भी भाजपा अगर 2019 की विचारधारा और मुद्दों पर प्रखरता तथा सरकार के विरुद्ध आक्रामकता कायम रखती, ठाकुर राजा सिंह के निष्कासन की घोषणा नहीं करती और उसे दूसरे तरीके से संभालती तो परिणाम अलग आते।

लोग बीआरएस की सत्ता बदलना चाहते थे, पर भाजपा हराने वाली सक्षम विकल्प नहीं थी। मतदाता कांग्रेस के साथ गए। बावजूद भाजपा को लगभग 147 मत आए हैं। इस तरह सारे चुनाव परिणाम नरेंद्र मोदी ,भाजपा, हिंदुत्व और उससे संबद्ध राष्ट्रबोध संबंधी विचारधारा तथा जमीन पर उसके व्यवहारिक रूप को प्रकट करने वाले हैं। स्थिति यही रही जिसकी संभावना है तो इसके आधार पर आप 2024 के चुनाव परिणाम का भी पूर्व आकलन कर सकते हैं।

विशेष

लगातार बढ़ रही है भारतीय नौसेना की ताकत

योगेश कुमार गोयल
फोन : 9416740584

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर ऑपरेशन 'ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई। नौसेना दिवस हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है और 2023 के नौसेना दिवस का विषय है समुद्री क्षेत्र में परिचालन दक्षता, तत्परता और 'मिशन उपलब्धि', जो समुद्री क्षेत्र में परिचालन दक्षता, तैयारियों और मिशन की उपलब्धि को बनाए रखने, देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने और समुद्री खतरों के खिलाफ सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय नौसेना के समर्पण पर प्रकाश डालता है। नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रूप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोचि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूणः' अर्थात जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

ट्वीटर टॉक

वीरभूमि राजस्थान की जनता का हृदय से आभार... मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को जीत का आशीर्वाद देने के लिए राजस्थान की जनता का अभिनंदन करता हूँ। यह जीत मोदी के नेतृत्व पर जनता के अटूट विश्वास की जीत है।

-अमित शाह

भाजपा पर अपना स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद बरसाने के लिए मैं इन सभी राज्यों के परिवारजनों का, विशेषकर माताओं-बहनों-बेटियों का, हमारे युवा वोटर्स का हृदय से धन्यवाद करता हूं। मैं उन्हें भरोसा देता हूं कि आपके कल्याण के लिए हम निरंतर अथक परिश्रम करते रहेंगे।

-नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें। यह नतीजे इस बात का प्रमाण देते हैं कि भारत की जनता मजबूती से सुशासन और विकास की राजनीति के साथ खड़ी है।

-दिया कुमारी

नजरिया

हिंदी पट्टी में कांग्रेस की पराजय के मायने

आशीष वशिष्ठ
मोबाइल : 99 3624 7777

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था। खासकर हिंदी पट्टी के तीन राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनाव नतीजों पर देशभर की आंखें टिकी हुई थी। इन तीन राज्यों में जिस तरह भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस को पछाड़ा है, वो काबिले तारीफ है। वास्तव, में कांग्रेस को इस बात का भरोसा था कि वो छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार बरकरार रखेगी और मध्यप्रदेश को भाजपा से छीन लेगी। राजस्थान को लेकर उसकी राय यह थी कि यहां कांटें की टक्कर होगी, और हो सकता है कि अशोक गहलोत अपनी सरकार बचा पाने में सफल रहेंगे। लेकिन कांग्रेस के रणनीतिकारों के सारे अनुमान धरे के धरे रह गए। और भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश में ऐतिहासिक जीत दर्ज की ही। वहीं उसने कांग्रेस से राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे दो अहम राज्य छीन लिए। भाजपा राजस्थान और मध्य प्रदेश को लेकर आश्वस्त थी, छत्तीसगढ़ तो उसे बोनस की तरह उसकी झोली में आ गया है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा की 519 और लोकसभ की 65 सीटें आती हैं। अगर हिंदी पट्टी के राज्यों जम्मू कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और केंद्र शासित चंडीगढ एवं लेह लद्दाख में कुल 245 लोकसभा की सीटें आती हैं। वर्तमान में कांग्रेस के पास हिंदी पट्टी में मात्र 14 लोकसभा सांसद हैं। वर्तमान लोकसभा में कांग्रेस के कुल 51 सांसद हैं।और हिंदी पट्टी के एकमात्र राज्य हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है। हिंदी पट्टी के राज्य केंद्र में किसकी सरकार बनेगी ये तय करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। ताजा चुनाव नतीजों से पार्टी की लोकसभा चुनाव तैयारियों को बड़ा झटका लगना तय है।

अगर हिन्दी पट्टी के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की बात की जाए तो यहां कांग्रेस की हालत किसी से छिपी नहीं है। पिछले तीन दशकों से पार्टी यूपी में अपनी जमीन तलाश रही है। यूपी में सारी रणनीति और पैंतरेबाजी के बावजूद वो ठीक से खड़ी नहीं हो पा रही है। साल 2022 में उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव कांग्रेस का अब तक सबसे खराब प्रदर्शन रहा। कांग्रेस को दो सीटों पर जीत हासिल हुई। इस चुनाव में देश की सबसे पुरानी पार्टी कई प्रधानमंत्री देने वाले राज्य में अब निराशाजनक प्रदर्शन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। वर्ष 2017 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके लड़ा था। और उसे 7 सीटों पर जीत मिली थी।

असल में कांग्रेस की यूपी में खराब हालत 1985 से ही जारी है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस तब से 50 सीटें भी नहीं जीत पाई है। कांग्रेस 1985 के बाद से अब तक 50 का आंकड़ा नहीं पार कर पाई। इस चुनाव में इतिहास का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन दिख रहा है। कांग्रेस को वर्ष 2012 में विधानसभा चुनाव में 28, वर्ष 2007 में 22, वर्ष 2002 में 25 सीटें मिली थीं। यूपी में पिछले चार लोकसभा चुनाव के नतीजों पर गौर किया जाएगा तो कांग्रेस का सबसे बेहतर प्रदर्शन 2009 में ही रहा था। आज सिर्फ एक सीट वाली कांग्रेस ने 2009 में 21 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2009 के बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को जबरदस्त झटका लगा और कांग्रेस सिर्फ अपनी दो परंपरागत सीटों रायबरेली व अमेठी में ही जीत हासिल कर सकी। 2019 के चुनाव में कांग्रेस की सिर्फ एक सीट ही रह गई। इन चुनावों में सपा-बसपा के गठबंधन की वजह से कांग्रेस ने कई सीटों पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे, जबकि कई सीटों पर कांग्रेस तीसरे नबंर पर रही। 2019 में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को यूपी की अमेठी सीट के साथ केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ने को मजबूर होना पड़ा। अमेठी में राहुल गांधी को बीजेपी की तेजतर्रार नेता स्मृति ईरानी से शिकस्त दी। मध्य प्रदेश में जहां बीजेपी 18 साल के शासन के बाद सरकार बचाने में सफल रही, वहीं कांग्रेस राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपने पांच साल के कार्यकाल के बाद ही भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, वायदा खिलाफी और अकुशल प्रशासन के चलते सत्ता से बाहर हो गई। छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने वर्ष 2003 से 2018 तक 15 साल शासन किया था। उसके बाद 2018 में कांग्रेस की सत्ता स्थापित हुई। लेकिन प्रदेश की जनता ने पांच साल में ही उसे सत्ता से बेदखल कर दिया। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने 2018 के चुनाव में षराबंदी का वायदा किया था। लेकिन पांच साल में उसने यह वायदा पूरा नहीं किया। उलटा बघेल सरकार पर षराब घोटाले के आरोप लगे। सीमेंट घोटाला और महादेव बैटिंग एप्प के आरोपों में भी बघेल सरकार घिरती दिखाई दी। तमाम आरोपों के बावजूद कांग्रेस को इस बात की पूरी उम्मीद थी कि प्रदेष में बीजेपी कमजोर स्थिति में है, ऐसे में वो सरकार बनाने में कामयाब रहेगी। वहीं छत्तीसगढ़ को लेकर बीजेपी को भी कोई ज्यादा उम्मीद नहीं थी। लेकिन प्रदेश की जनता ने सारे समीकरणों और अनुमानों को धता बताते हुए समझदारी दिखाई और सारे विषलेषणों को फेल करते हुए बीजेपी के हक में अपना फैसला सुनाकर सबको चौंका दिया।

ताजा चुनाव नतीजों में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस का एक साथ हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में हार से उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरेगा। राहत की बात यह है कि दक्षिण भारत के राज्य तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बन रही है। तीन अहम राज्यों में हार से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व पर भी सवालिया निशान लग गया है। विधानसभा चुनाव में हार से देषभर में ये संदेश जाएगा कि राहुल और प्रियंका दोनों मिलकर भी पार्टी को खड़ा करने की क्षमता नहीं रखते हैं।

वहीं विधानसभा चुनाव के दौरान नये नवेले इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर जो तीखी बयानबाजी और खींचतान सामने आई थी, उससे अब इंडिया गठबंधन के भविष्य पर भी बड़ा प्रश्न चिन्ह लग गया है। इंडिया गठबंधन की कुल जमा चार बैठकों के बाद सारी गतिविधियां ठप हो गई थी। विधानसभा चुनाव में करारी षिकस्त के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आगामी 6 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है। जिस पर इंडिया गठबंधन के सहयोगियों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। जानकारों के मुताबिक इस पराजय के बाद इंडिया गठबंधन में भी कांग्रेस की ताकत और नेतृत्व कमजोर होगा। हो सकता है इंडिया गठबंधन नये रंग रूप में नजर आए या फिर तीसरा मोर्चा भी बन सकता है। कुल मिलाकर हिंदी पट्टी के तीन राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जीत और तेलगाना में सीटों में वृद्धि से भाजपा का मनोबल बढ़ेगा। वो दोगुनी तैयारी के साथ लोकसभा चुनाव में उतरेगी। चूंकि विधानसभा चुनाव स्थानीय नेतृत्व के स्थान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़े गए ऐसे में 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी फिर एक बार बड़े और मजबूत चेहरे के साथ विपक्ष के सामने होंगे। विधानसभा चुनाव के नतीजों से भविष्य की राजनीति और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में क्या होने वाला है, इसका संकेत माना जा सकता है।

प्रेरक प्रसंग

सनक से सत्र

दिल्ली का बादशाह मोहम्मद तुगलक विद्वान भी था और उदार भी। प्रजा के लिए कई उपयोगी काम भी उसने किए; किंतु दो दुर्गुण ऐसे थे, जिनके कारण वह बदनाम भी हुआ और दुर्गति का शिकार भी। एक तो वह अहंकारी था, किसी की उपयोगी सलाह भी अपनी बात के आगे स्वीकार नहीं करता था, दूसरा जल्दबाज भी इतना था कि जो मन में आए उसे तुरंत कर गुजरने के लिए आतुर हो उठता था। उसी सनक में उसने नई राजधानी दौलताबाद बनाई और बन चुकने पर कठिनाइयों को देखते हुए रद्द कर दिया। एक बार बिना चिन्ह के तांबे के सिक्के चलाए, लोगों ने नकली बना लिए और अर्थ-व्यवस्था बिगड़ गई। फिर निर्णय किया कि तांबे के सिक्के खजाने में जमा करके, चांदी के सिक्कों में बदल लें। लोग सारा सरकारी कोष खाली कर गए। फिर एक बार चौगुना टैक्स बढ़ा दिया। लोग उसका राज्य छोड़कर अन्यत्र भाग गए। विद्वता और उदारता जितनी सराहनीय है उतनी ही अहंकारिता और जल्दबाजी हानिकारक है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जश्न

भुवनेश्वर में भाजपा पार्टी की ओडिशा इकाई के कार्यकर्ताओं ने रविवार को भुवनेश्वर में राज्य पार्टी कार्यालय में विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती के दौरान मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पार्टी की जीत के रूप में विजय उत्सव मनाया।

बम धमाके में चार लोगों की मौत के लिये फिलीपीन के राष्ट्रपति ने विदेशी आतंकियों को जिम्मेदार बताया

मनीला। फिलीपीन के राष्ट्रपति ने देश के दक्षिण में रविवार को एक बम धमाके के लिए विदेशी आतंकियों को जिम्मेदार ठहराया। इस धमाके में चार कैथोलिक उपासकों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हो गए थे। धमाके की वजह से राजधानी मनीला समेत अन्य जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दक्षिणी मारावी शहर की मिंडानाओं स्टेट यूनिवर्सिटी के जिमनेजियम में एक प्रार्थना में शामिल हुए छात्र और शिक्षक एक संदिग्ध बम धमाके में हताहत हो गए। सरकारी परिसर के सुरक्षा प्रमुख ताहा मंदानगन ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को फोन पर यह जानकारी दी। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

क्षेत्रीय सैन्य कमांडर मेजर जनरल गेब्रियल विराय तृतीय ने कहा कि विस्फोट में चार लोग मारे गए, जिनमें तीन महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 50 अन्य को इलाज के लिए दो अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने एक बयान में कहा, मैं मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी में विदेशी आतंकवादियों द्वारा किए गए सबसे जघन्य कृत्य की कठोरतम शब्दों में निंदा करता हूं। निर्दोषों के खिलाफ हिंसा करने वाले चरमपंथियों को हमेशा हमारे समाज के लिए दुश्मन माना जाएगा। मार्कोस ने यह नहीं बताया कि उन्होंने हाई-प्रोफाइल बमबारी के लिए तुरंत विदेशी आतंकवादियों को क्यों दोषी ठहराया। रक्षा सचिव गिल्बर्टो टेओडोरो जूनियर ने बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में बिना ज्यादा विवरण दिए बताया कि बमबारी में विदेशी तत्व का एक हाथ होने का मजबूत संकेत है।

अब बंगाल में 'मोदी सुनामी' का इंतजार : शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को दावा किया कि तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन का पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति पर असर पड़ेगा, जहां 2024 के लोकसभा चुनावों में मोदी सुनामी आने का इंतजार किया जा रहा है।

पत्रकारों से बात करते हुए, अधिकारी ने छत्तीसगढ़ के बंगाली समुदाय को धन्यवाद दिया और दावा किया कि भाजपा के लिए उनके भारी समर्थन ने राज्य के विधानसभा चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, मुझे छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं का फोन आया और उन्होंने मुझे 'बंगाल फैक्टर' के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक लहर है। असली सुनामी का इंतजार है। लोकसभा चुनाव में हम मोदी सुनामी देखेंगे। अधिकारी ने दावा किया कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव नतीजों का असर पश्चिम बंगाल और ओडिशा पर भी पड़ेगा। उन्होंने कहा, हम बंगाल में ठोस परिणाम देखेंगे और यहां इस भ्रष्ट और परिवारवादी सरकार का खात्मा निश्चित है। पश्चिम बंगाल में भाजपा कार्यकर्ता तीन राज्यों में मिली इस जीत का जश्न मनाएंगे। आगामी लोकसभा चुनावों से कुछ महीने पहले पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकार बनाती नजर आ रही है।

नेपाल ने संक्रामक रोगों को रोकने के उद्देश्य से यूएसऐड के साथ हाथ मिलाया

काठमांडू/दक्षिण भारत। नेपाल सरकार और अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसऐड) ने उभरते संक्रामक रोगों को रोकने, उनका पता लगाने और उनपर तीव्रता से कार्रवाई करने के लिए रविवार को रणनीतिक साझेदारी शुरू की। अमेरिका दूतावास की ओर से जारी एक बयान के अनुसार 'यूएसऐड ग्लोबल हेल्थ सेक्युरिटी' नामक यह कार्यक्रम 'वन हेल्थ' पहल के माध्यम से लागू की जाएगी। 'वन हेल्थ' पारिस्थितिकी, वन्यजीव, घरेलू जानवरों एवं इंसान के स्वास्थ्य के बीच परस्पर निर्भरता पर आधारित एक समन्वित बहुविषयक पहल है।

बयान में कहा गया है कि यूएसऐड का ग्लोबल हेल्थ सिक्योरिटी वर्क हाल में कोविड महामारी से उत्पन्न फासले को दूर करने में मदद कर रहा है तथा इसके लिए वह किसी बीमारी के खतरे को महामारी का रूप लेने से पहले उसे रोकने, उसका पता लगाने और उसपर कार्रवाई करने के विभिन्न देशों की क्षमता को मजबूत बना रहा है।

नेपाल में स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम के मार्फत यूएसऐड स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय को 'वन हेल्थ' मंच एवं निगरानी प्रणाली को मजबूत करने के लिए निधि प्रदान करेगा।

भारत ने जलवायु को गर्म करने वाले रसायन एचसीएफसी 141बी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई। भारत ने ओजोन क्षयकारी पदार्थ और जलवायु को गर्म करने वाले रसायन एचसीएफसी 141बी को चरणबद्ध तरीके से सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया है और ऐसी अन्य गैस, एचसीएफसी को समाप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वैश्विक जलवायु वार्ता के दौरान रविवार को यहां जारी एक सरकारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। वार्षिक जलवायु वार्ता सीओपी28 के इतर एक कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण मंत्रालय और यूएनडीपी द्वारा संयुक्त रूप से पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि एचसीएफसी के लिए 35 प्रतिशत चरणबद्ध लक्ष्य को पार करते हुए, भारत ने जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सहयोग और नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए 44 प्रतिशत की प्रभावशाली कटौती की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एचसीएफसी प्रबंधन योजना (एचपीएमपी) चरण- दो में उल्लिखित भारत के सक्रिय उपायों ने वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए एक उल्लेखनीय उदाहरण स्थापित किया है।

इसमें कहा गया है कि भारत ने ओजोन क्षयकारी पदार्थ और जलवायु को गर्म करने वाले रसायन 1,1-डाइक्लोरो-1-फ्लोरोइथेन (एचसीएफसी-141बी) को सफलतापूर्वक चरणबद्ध तरीके से खत्म कर दिया है और नए उपकरण निर्माण में ऐसी ही एक अन्य गैस हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन को खत्म करने में समय से आगे है। पर्यावरण सचिव लीना नंदन ने कहा कि भारत ने ओजोन को प्रभावित करने वाले पदार्थों से निपटने के उपायों को लागू करने में एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा, हम आज न केवल अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा कर रहे हैं, बल्कि अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। नंदन ने ई-कचरा प्रबंधन नियमों और विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) दिशानिर्देशों के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण और जलवायु शमन के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

भारत के व्यापक जलवायु लक्ष्यों के बारे में उन्होंने आर्थिक विकास से उत्सर्जन को कम करने की देश की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत ने 2019 में अर्थव्यवस्था की उत्सर्जन तीव्रता में 33 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी हासिल की है, जो 2030 के लिए निर्धारित लक्ष्य को पार कर गया है।

'सैम बहादुर' में विक्की के अभिनय से बेहद प्रभावित हैं सचिन तेंदुलकर

मुंबई/एजेन्सी

सचिन तेंदुलकर के फिल्म 'सैम बहादुर' देखने को लेकर अभिनेता विक्की कौशल ने कहा कि वह अपने 'बचपन के हीरो' सचिन तेंदुलकर की फिल्म को लेकर की गई प्रतिक्रिया को जीवन भर याद रखेंगे। 'सैम बहादुर' महान फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर आधारित है। फिल्म में फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा भी मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग के दौरान सचिन को एक वीडियो में पपराजी से यह कहते हुए देखा जा सकता है, बहुत अच्छी फिल्म है, जरूर देखियेगा। मैं विक्की के अभिनय से बहुत प्रभावित हुआ। देख के ऐसा लगा कि असल में फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ हमारे सामने हैं।

बॉडी लैंग्वेज अविश्वसनीय थी। अगर आप हमारे देश का इतिहास जानना चाहते हैं तो आपको यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। यह हर पीढ़ी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। विक्की ने इंस्टाग्राम पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन के साथ एक खुशनुमा फोटो साझा की, जिसमें अभिनेता को काली लंबी आस्तीन वाली टी शर्ट और डेनिम में देखा जा सकता है। सचिन ने नीली शर्ट और क्रीम रंग की पैंट पहनी हुई है।

विक्की ने पोस्ट को कैप्शन दिया, ''मेरे बचपन के हीरो ने आज मेरी फिल्म देखी। आपके शब्दों के लिए धन्यवाद सचिन तेंदुलकर सर, मैं उन्हें जीवन भर याद रखूंगा।'' एक्टर ने अपने पोस्ट को 'बंदा' गाने का म्यूजिक दिया है। सैयामी खेर ने पोस्ट पर टिप्पणी की और कहा, सबसे खास कॉमेडियन जाकिर खान ने पोस्ट पर लाल दिल वाले इमोजी डाले। आरएसवीपी मूवीज द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है।

नीना गुप्ता की ईमानदारी मुझ पर असर करती है : जैकी श्रॉफ

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता जैकी श्रॉफ आगामी फिल्म 'मस्त में रहने का' में नजर आने वाले हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म के दोनों सह-कलाकार नीना गुप्ता और मैं अभिनय के बहुत अलग स्कूलों से आते हैं और उनकी ईमानदारी उन पर असर डालती है। 'मस्त में रहने का' एक स्ट्रीमिंग फिल्म है, जिसे विजय मौर्य ने लिखा और निर्देशित किया है। जैकी और नीना को पिछली बार आठ साल पहले एक लघु फिल्म 'खुजली' में देखा गया था, जिसमें एक मध्यम आयु वर्ग के जोड़े की गुप्त इच्छाओं और छिपी हुई कल्पनाओं को दिखाया गया था। ऐसे युग में जहां सभी का ध्यान उभरते अभिनेताओं पर है, ये दोनों दिग्गज स्क्रीन पर अपनी केमिस्ट्री से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने में कामयाब रहे हैं। नीना के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए जैकी ने कहा, हम सीखने के दो अलग-अलग स्कूलों से आते हैं। वह नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से हैं। वह एक सम्मानित और प्रतिष्ठित कलाकार हैं जबकि मैंने सेट पर अपनी कला सीखी है।''

उन्होंने कहा, तो निश्चित रूप से विपरीत चीजें आकर्षित करती हैं, मैं उससे सीखता हूं और मुझे नहीं पता कि वह मुझसे कुछ सीख सकती है या नहीं, लेकिन, उनकी ईमानदारी मुझ पर प्रभाव डालती है। लेकिन जब हम स्क्रीन पर एक साथ आते हैं तो हमें एक-दूसरे के बारे में शानदार समझ होती है। मुझे लगता है कि हमारी केमिस्ट्री खूबसूरती से मिश्रित है और दर्शक भी इसे महसूस करते हैं।'' 'मस्त में रहने का', को मेड इन मौर्य के बैनर तले निर्मित किया गया है, और यह प्यार और जीवन में दूसरे मौके, क्षमा और मोचन के सार्वभौमिक विषयों पर आधारित है। कहानी एक मार्मिक ओडिसी है, जो इस गहन अहसास को दर्शाती है कि जीवन एक खजाना है। नीना ने कहा कि वह और जैकी कई सालों बाद वापस आ रहे हैं। उन्होंने कहा,खुजली' के बाद, पंद्रह मिनट की फिल्म जिसे हर किसी ने पसंद किया, कम से कम जो कोई भी इसे देख सकता था। हमें ऐसा करने में बहुत मजा आया और 'मस्त में रहने का' करने में हमें और भी ज्यादा मजा आया।'

उन्होंने कहा, जैकी और मैं एक-दूसरे के साथ बहुत सहज हैं। हम सुधार करना जानते हैं, हम हंसते हैं और साथ में खाना खाते हैं। ईमानदारी से कहूं तो, उनके साथ इस फिल्म पर काम करना बहुत मजेदार था, और मैं ऐसे दयालु और अद्भुत व्यक्ति के साथ और अधिक मनोरंजक परियोजनाओं में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं। यह वास्तव में संपूर्ण अनुभव को जोड़ता है।'' 'मस्त में रहने का' में मोनिका पंवार, अभिषेक चौहान, राखी सावंत और फैसल मलिक भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 8 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर आएगी।

नई दिल्ली में रविवार को पार्टी मुख्यालय में विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पार्टी की बढ़त का जश्न मनाते एक भाजपा कार्यकर्ता।

'एनिमल' में बेटे रणबीर की परफॉर्मेंस देख भावुक हुयी नीतू कपूर

मुंबई/वार्ता

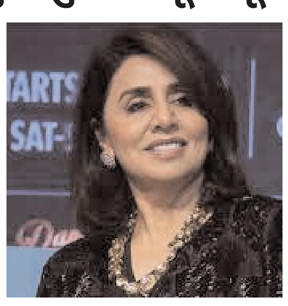

बॉलीवुड अभिनेत्री नीतू कपूर फिल्म एनिमल में अपने पुत्र रणबीर कपूर की परफॉर्मेंस देखकर भावुक हो गयी। संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित एनिमल में रणबीर कपूर,अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकार प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म एनिमल रिलीज हो गयी है। 'एनिमल' में बेटे रणबीर कपूर की परफॉर्मेंस देख नीतू कपूर भावुक हो गयी। नीतू कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर रणबीर कपूर की एक तस्वीर शेयर की है जिसमें लंबे बालों में वह दिख रहे हैं।नीतू कपूर ने तस्वीर शेयर कर लिखा-'काश आज ऋषि कपूर जी यहां होते!' यकीनन आज यदि रणबीर के पापा ऋषि कपूर जिंदा होते तो अपने लाडले की इस सफलता पर उनकी खुशी का ठिकाना न होती क्योंकि इस बार बेटे ने अपनी ही फिल्मों का नहीं बल्कि अपने पापा कि फिल्मों का भी रिकॉर्ड तोड़ डाला है।

'के सेरा सेरा' की रिहर्सल के लिए माधुरी दीक्षित को लगे थे 9 दिन

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'पुकार' के निर्माता बोनी कपूर ने खुलासा किया कि लोकप्रिय ट्रैक 'के सेरा सेरा' के अभ्यास के लिए माधुरी दीक्षित को नौ दिन लगे थे, जिसमें वह 'शानदार' थीं। राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित 2000 की इस फिल्म में अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित, नम्रता शिरोडकर, डैनी डेन्जोंगपा मुख्य भूमिका में हैं। बोनी ने सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो, 'झलक दिखला जा' के मंच की शोभा बढ़ाई, जिसने 'बोनी कपूर स्पेशल' एपिसोड में प्रख्यात फिल्म निर्माता और निर्माता की सिनेमाई विरासत का जश्न मनाया। उभरती सितारा अद्रिजा सिन्हा सप्ताह दर सप्ताह अपनी अद्वितीय प्रतिभा से नए मानक स्थापित कर रही हैं। 'बोनी कपूर स्पेशल' में जज मलायका अरोड़ा की कुछ नया करने की चुनौती को स्वीकार करते हुए अद्रिजा ने कोरियोग्राफर आकाश थापा के साथ 'के सेरा सेरा' गाने पर पहली बार साल्सा परफॉर्म किया। बोनी ने कहा, ''आश्चर्यजनक, मैं इस बारे में कुछ साझा करना चाहता हूं। फिल्म में इस गाने पर माधुरी जी और प्रभु ने डांस किया था। इस गाने की रिहर्सल करने में माधुरी को नौ दिन लगे और फिर उन्होंने परफॉर्म किया। वह शानदार थी।'' उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि आप दोनों ने स्टेज पर जो जादू चलाया, मैं कभी सोच भी नहीं सकता था कि कोई इस गाने पर ऐसा कर सकता है। मुझे लगता है कि यह असंभव है, और आप दोनों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, इसे बहुत अच्छे से कोरियोग्राफ किया है।'' जज अरशद वारसी ने कहा, इस लड़की को जब मैंने पहले दिन यहां देखा तो मुझे लगा कि यह डांसर नहीं हैं। मुझे उम्मीद नहीं थी कि मेरे मन में कोई भावना आएगी और फिर ये छोटा सा बच्चा डांस करने लगा। मेरा दिमाग खराब हो गया और मैं हर परफॉर्मेंस के बाद उसे गले लगा रहा हूं।'' आगे कहा, अद्रिजा तुम बहुत शानदार डांसर हो, और आकाश मैं तुमसे प्यार करता हूं दोस्त। आपका भविष्य अविश्वसनीय रूप से उज्ज्वल है, और यह आपके जीवन की शुरुआत है। इस उम्र में तो तुम इतनी दूर पहुंच गये हो। तुम लोगों को कोई अंदाजा नहीं है कि तुम यहां से कहां जाओगे।'' यह शो सोनी पर प्रसारित होता है।

फिल्म अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा, ये वास्तविक जीवन से जुड़ी कहानियों का दौर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा कि आम आदमी वास्तविक जीवन से जुड़ी कहानियों को पसंद करते हैं। अमेरिका में ऐड-ऑन के जी5 ग्लोबल लॉन्च पर एक पैनल चर्चा के दौरान, मनोज को अन्य लोगों के साथ इस बारे में बात करते हुए देखा गया कि कैसे फिल्म निर्माताओं को वास्तविक जीवन से जुड़ी फिल्मों के लिए प्रोत्साहित किया जाए। मनोज ने कहा, जब मैं महेश भट्ट के साथ काम कर रहा था तो मैं उन्हें असिस्ट भी कर रहा था। मैंने तमन्ना में एक भूमिका निभाई है, हम एक साथ काफी समय बिताते थे। वह ऐसा समय था जब मुझे याद है कि मैंने उनसे कहा था कि हमारा सिनेमा चल रहा है क्योंकि हमारे नायक दर्शकों की तरह नहीं दिख रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि यह एक खतरा है और महेश साहब इस बारे में अपनी राय देंगे कि मैंने हमेशा इस मुद्दे पर उनसे लड़ाई की और फिर मैं गलत साबित होने लगा, क्योंकि यह दर्शकों और उनके जीवन से दूर रहा।

मनोज ने कहा, ''फिल्म बड़ी होने लगी और फिल्म को इतनी सफलता मिलने लगी कि वे सभी लोग और फिल्म निर्माता जो वास्तविक कहानियों के लिए जाने जाते थे, उनके होश उड़ने लगे और विदेशों में शूटिंग बढ़ने लगी।'' मनोज ने याद किया कि कैसे उन्हें न्यूयॉर्क में एक भूमिका की पेशकश की गई थी और उन्हें मना करना पड़ा था और कहा था: 'मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं उनमें से किसी की तरह नहीं दिखूंगा, इसलिए मुझे यह भूमिका

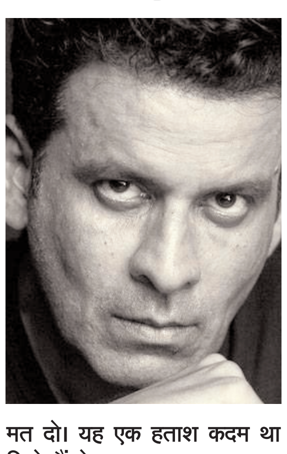

मत दो। यह एक हताश कदम था जिसे मैं देख सकता था। वह एक आकांक्षापूर्ण समय था। यह बिल्कुल स्पष्ट था कि अधिकांश आबादी कुछ और बनने की आकांक्षा रखती थी।''

आगे कहा, किसी गैर-फिल्मी शख्स ने मुझे यह बताया कि आरआरआर और पुष्पा के बाद वे अल्लू अर्जुन और एनटीआर का जश्न मना रहे हैं। आरआरआर और पुष्पा के साथ शेष भारत को इसका एहसास हुआ। यह केवल इसलिए है क्योंकि वे उस स्क्रीन पर अपने नायकों को देख सकते थे।'' उन्होंने कहा, यह एक सबक है। ऐसा नहीं है कि हमें उनकी कहानियों की नकल करना शुरू कर देना चाहिए या वे इसे कैसे बनाते हैं। हमें अपनी कहानी कहने पर कायम रहना चाहिए लेकिन हमारा हीरो दर्शकों के बीच से आना चाहिए, जैसा कि यह अमिताभ बच्चन में था।'' मनोज को लगता है कि अगर हम लोगों को कहानियां सुनाना शुरू कर दें और अपने नायक को जनता से लें तो चीजें बदल जाएंगी। इसके बाद उन्होंने 'गदर और गदर 2' का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि फिल्म की सफलता की वजह यह भी है। अनुपमा चोपड़ा, जो पैनल चर्चा का नेतृत्व कर रही थीं, ने एक किस्सा साझा किया। उन्होंने साझा किया कि अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने एक बार कहा था कि लोग उन्हें अपरंपरागत कहते रहते हैं लेकिन वह देश के 80 प्रतिशत लोगों की तरह दिखते हैं। इस पर मनोज ने कहा, ''नवाज बिल्कुल सही कह रहे हैं कि हमारे देश में ज्यादातर लोग मेरे और नवाज जैसे दिखते हैं। एक समय था जब लोग किसी और जैसा बनना चाहते थे। वे अपने नायकों को ग्रीक देवताओं के रूप में देखना चाहते थे और जैसा कि मैंने पहले कहा था कि यह एक महत्वाकांक्षी समय था लेकिन अब यह एक यथार्थवादी समय है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | सोमवार | 04-12-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीवनयापन और जीवन-लक्ष्य दो भिन्न बातें हैं। प्रायः सामान्य लोगों का जीवन-लक्ष्य जीवनयापन ही रहता है। खाना-कमाना, ब्याह- शादी, लेन-देन, व्यवहार-व्यापार आदि साधारण क्रमों को पूरा करते हुए मृत्यु तक पहुंच जाना, बस इसके अतिरिक्त उनका और कोई लक्ष्य नहीं होता। एक जीविका का साधन जुटा लेना, एक परिवार बसा लेना और बच्चों का पालन-पोषण करते हुए शादी-ब्याह आदि कर देना मात्र ही साधारणतया लोगों ने जीवन-लक्ष्य मान लिया है। मीठे फल खाने की इच्छा से दो मित्र एक बगीचे में गए।

समय निकल जाने पर पश्चात्ताप के सिवाय कुछ नहीं बचता है : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जिसके गुण-कर्म-स्वभाव जितने सात्विक और सुरुचिपूर्ण होंगे, उसका जीवन उतना ही प्रसन्न, उतना ही सुंदर होगा। जो अविचारी, व्यभिचारी अथवा अवगुणी है, वह कितना ही धनवान, शान-शौकत वाला, सुंदर शरीर और रहन-सहन वाला क्यों न हो, सुंदर जीवन की परिधि में नहीं आ सकता। उपरोक्त बातें आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में प्रवचन देते हुए कही, वे आगे बोले कि इसके विपरीत जो सामान्य स्थिति का है, गरीब है, सुंदर शरीर वाला भी नहीं है, परंतु शिष्ट, सभ्य, सुशील, संतुष्ट और शांत है तो वह अधिक सुंदर जीवन वाला कहा जाएगा। जीवन की सफलता का प्रमाण जहां किसी के कार्य और कर्तृत्व से दिया जाता है, वहां उसकी अंतिम श्वांस में सन्निहित शांति एवं संतोष की मात्रा भी इसका एक सुंदर प्रमाण है। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति का अपना एक लक्ष्य, एक उद्देश्य होना आवश्यक है। युवा उम्र के इस स्वर्णिम दौर को व्यर्थ न जाने दें। अपने लक्ष्य को महान सामाजिक उद्देश्यों से जोड़ें। लक्ष्य सबके लिए कल्याणकारी हो । बस फिर यह ध्यान रहे कि तमाम व्यवधानों के बावजूद मंजिल पानी है। समय निकल जाने पर पश्चात्ताप के सिवाय कुछ नहीं बचता है। किसी भी कार्य की सफलता के लिए लगन, निष्ठा, कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि, पक्का इरादा और अनुशासन आवश्यक है। जब मनुष्य की सारी शक्तियां विचारों की, समय की, शरीर की, साधन की एक ही लक्ष्य की ओर लग जाती हैं, तो फिर सफलता प्राप्ति में संदेह नहीं रहता। अपनी शक्ति को पहचानें। अपने लक्ष्य को चुनौती के रूप में स्वीकार करें। संकल्प करें, मैं अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करूंगा, कर सकता हूं। दृढ़ संकल्प के आगे कोई विघ्नबाधा, कठिनाई टिक नहीं सकती। अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सदा जूझते रहो, जूझते रहो, जूझते रहो, कभी हिम्मत न हारो। सच्ची लगन और निरंतर प्रयत्न यही दो महान साधनाएं हैं। जिनसे शक्ति को प्रसन्न करके उनसे इच्छित वरदान प्राप्त किया जा सकता है। परिश्रमी और अपने कार्य में दिलचस्पी लेने वाले व्यक्ति सोने के समय को छोड़कर अन्य सारे समय लगे रहते हैं और जरा भी नहीं थकते। सच्ची लगन, दिलचस्पी, रुचि और झुकाव एक प्रकार का डायनुमा है, जो काम करने के लिए क्षमता की विद्युत शक्ति हर घड़ी उत्पन्न करता रहता है।

अंतर्राष्ट्रीय मानव दिवस पर दिव्यांग सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के तत्वावधान में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के मौके पर मानव सेवा कार्य के अंतर्गत राजाजीनगर और कुमारपार्क स्थित मातृश्री मनोविकास केन्द्र में सेवा कार्य करते हुए 50 दिव्यांग बच्चों जो मानसिक रूप से विकलांग है उनकी सेवा करते हुए उन्हें टी शर्ट प्रदान किए गए। संस्थान के संयोजक बसवराज ने परिषद के कार्यों केप्रति धन्यवाद दिया। इस मौके पर परिषद राजाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश गन्ना सहति अनेक सदस्य इस मौके पर उपस्थित थे।

तिरुकुरल में हुआ जैन दर्शन का सरलीकरण : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री शंकरलाल सुंदरबाई शसुन जैन कॉलेज में जैनविद्या विभाग के शोध-प्रमुख डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि तमिल भाषा, व्याकरण, काव्य, साहित्य और संस्कृति के विकास में जैनों का ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण योगदान है। शनिवार को तमिल अभिनेता और आवाज कलाकार रामनाथन नारायणन के साथ कॉलेज में हुई परिचर्चा में डॉ. धींग ने कहा कि विश्व विख्यात नीति ग्रंथ तिरुकुरल, सर्वप्राचीन तमिल लक्षण ग्रन्थ तोलकाप्पियम, सर्वप्रचलित व्याकरण ग्रंथ नन्नूल, महाकाव्य शिलप्पदिकारम और जीवक चिंतामणि, पाँच लघु महाकाव्य आदि जैनों द्वारा रचित अनेक ग्रंथ आज भी तमिल साहित्य और भारतीय संस्कृति को प्रकाशमान बनाए हुए हैं। ये ग्रंथ संपूर्ण मानवता के पथ को आलोकित कर रहे हैं।

तिरुकुरल के बारे में डॉ. धींग ने कहा कि तिरुवल्लुवर ने जैन आगमों की अनेक दार्शनिक मान्यताओं का सरलीकरण और लोकव्यापीकरण कर दिया। उन्होंने अहिंसा व शाकाहार का प्रतिपादन किया। वर्णवाद, जातिवाद व कर्मकांड के नाम पर होने वाली हिंसा का प्रतिकार किया। रामनाथन ने भाषा के ध्वनि विज्ञान और सही उच्चारण के बारे में उपयोगी प्रेरणा दी। इस अवसर पर संस्कृत विभाग की डॉ. रमादेवी शेखर, जैनविद्या विभाग की डी. रेशमा, मीडिया व संचार विभाग के एस. वेदराजन, इबेनेजर आदि उपस्थित थे। निर्मलराज राव ने धन्यवाद दिया।

उच्च कोटि के महान साधक थे गुरूदेव सुमतिप्रकाश महाराज

मान्बलम स्थानक में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्रमणसंघीय वरिष्ठ सलाहकार आयम्बिल तप के महान आराधक राजऋषि पूज्य गुरूदेव श्री सुमतिप्रकाशजी महाराज के देवलोकगमन पर एस. एस. जैन संघ के तत्वावधान एवं जिन शासन प्रभावक श्री वीरेंद्रमुनिजी महाराज के सान्निध्य में रविवार सवेरे बर्किट रोड़ स्थित जैन स्थानक में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रखा गया।

सुबह सामायिक साधना के साथ सामूहिक जाप का आयोजन हुआ। तदनन्तर श्री मरूधर केसरी जैन वैयावच्च सेन्टर से श्रद्धांजलि सभा में पधारे मुनि श्री वीरेंद्रमुनिजी म.सा. ने गुरूदेव श्री सुमतिप्रकासजी महाराज के व्यक्तित्व कृतित्त्व व संयम जीवन पर गुरूदेव के जन्म से लेकर महाप्रयाण तक का सारगर्भित वर्णन सभा को बताया और कहा कि मुनि श्रीसुमतिप्रकाशजी महाराज जन्म से तो जैन नहीं थे लेकिन कर्म से जैन धर्म को अपना कर भागवती जैन दीक्षा अंगीकार की एवं दीर्घ तप जप आयम्बिल एवं मौन साधना के साथ 64 वर्ष तक संयम जीवन को पाल कर संथारा सहित देवलोकगमन हुए। साथ ही उन्होंने श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य मधुकर मुनिजी महाराज को भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्री एसएस जैन महिला मण्डल से शिक्षिका श्राविका मंजू मूथा, दादावाड़ी ट्रस्ट से श्री अशोकजी तातेड़ ने भी अपनी भावांजलि व्यक्त की।

संघ अध्यक्ष श्रावक डॉ. एम. उत्तमचन्द गोठी ने 'जननी जने तो ऐसा जने के दाता के सूर, नी तो रिजे बांझडी, मति गवा जे नूर' से अपने व्यक्त्व को प्रारम्भ कर गुरूदेव श्री सुमतिप्रकाशजी महाराज को एक उच्च कोटि का महान साधक बताया और कहा कि माम्बलम श्री संघ पर उनके अनन्त उपकार है जिससे उऋण होना अत्यंत ही कठिन हैं। गुरु सुमति-विशाल की कृपा दृष्टि से ही माम्बलम क्षेत्र में 32 वर्ष पूर्व जैन स्थानक बना और युवा वर्ग द्वारा सुमति विशाल डायलेसिस सेन्टर एवं श्री संघ के तत्वावधान में कई परोपकारी योजनाएं सुचारू रूप से गतिमान है। डॉ. गोठी ने बताया कि गुरूदेव श्री सुमतिप्रकाशजी महाराज ने जिस जैन नगर मेरठ स्थानक में वर्ष 1959 में भगवती जैन दीक्षा अंगीकार की संयोग से उसी मेरठ के जैन स्थानक में 64 वर्ष का लम्बा दीक्षा पर्याय पालकर अपना तीसरा व अंतिम मनोरथ पूर्ण करते हुए संथारा सहित देवलोकगमन को प्राप्त हुए। 50 वर्ष से भी अधिक समय तक वो एकान्तर आयम्बिल तप की आराधना में लीन रहे एवं आचार्य न होते हुए भी 100 से अधिक भव्य आत्माओं को दीक्षा पाठ प्रदान किया। वाचनाचार्य, नेपाल हिन्द गौरव डॉ विशालमुनिजी महाराज, उत्तरभारतीय प्रवर्तक राष्ट्र संतश्री आशीष मुनिजी महाराज, नवकार साधकश्री विचक्षण मुनिजी म.सा. जैसे कई अनमोल हीरों को नेपाल जैसे देश से आकर्षित कर जैन धर्म से जोड़ जिनशासन की अदभुत व महती प्रभावना की तथा श्रमण संघ व गुरु निहाल परिवार के नाम को रोशन किया।

श्रद्धांजलि सभा का संचालन श्रावक महेन्द्रकुमार गादिया ने किया एवं मुनिश्री वीरेंद्रमुनि एवं आगंतुक सभी गुरू भक्तों का आभार प्रकट किया।

इस मौके पर सैदापेट, कोडम्बाक्कम, विरुगंबाक्कम, पुरुषवाक्कम, अयनावरम, अलवारपेट, रॉयपेटा आदि आदि अनेक उपनगरों एवं माम्बलम टी.नगर के श्रद्धालु भक्तजनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर दिवंगत मुनिश्री को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अच्छे कार्यों की हमेशा अनुमोदना होनी चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। यहां के श्री सुमतिनाथ जैन मंदिर में रविवार को संघ में अपनी सेवाएं दे रहे भाग्यशालियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुनि मेरुपद्मसागरजी एवं अर्हमपद्मसागरजी ने प्रवचन में कहा कि अच्छे कार्यों की हमेशा अनुमोदना करना चाहिए। जिन्होंने चातुर्मास में प्रमाद न किया। खाने पीने और घूमने फिरने व मौज पर नियंत्रण लाया। धर्म साधना-आराधना की। अवश्य ही उनकी अनुमोदना और सराहना होनी चाहिए।

संतों ने कहा कि जहाँ जहाँ जो शुभ हुआ, योग्य हुआ उसकी अनुमोदना के साथ प्रसार-प्रचार करें। उसे देख कर, सुनकर-पढकर खूब आनंदित होना चाहिए। आँख-कान और जिह्वा का कार्य यही होना चाहिए।

धर्म आराधना से पुण्यों का संचय और पापों का क्षरण होता है। विशेष रूप से तप धर्म से मनुष्य के भीतर छिपी शक्तियाँ जागृत होती है।

पहले से बेहतर महसूस कर रहा हूं : पोप फ्रांसिस

वेटिकन सिटी। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना कर रहे पोप फ्रांसिस लगातार दूसरे रविवार को सेंट पीटर स्क्वायर में जनता के लिए आयोजित होने वाले अपने लोकप्रिय उपस्थिति कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। लेकिन टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में पोप ने कहा कि वह पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं, भले ही वह अपने संबोधन की सभी टिप्पणियां जोर से नहीं पढ़ सके। पोप फ्रांसिस ने वेटिकन होटल से बहुत संक्षिप्त टिप्पणी दी। ईसाईयों के सर्वोच्च धार्मिक गुरु वेटिकन होटल में ही रहा करते हैं। उन्होंने कहा है कि वह संक्रामक ब्रोंकाइटिस (श्वास संबंधी रोग) से पीड़ित हैं। सेंट पीटर स्क्वायर पर हजारों लोगों ने बाहर लगी विशाल स्क्रीन से उनके शब्दों का अनुसरण किया। उन्होंने कहा कि वह दुबई में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के कामकाज पर दूर से नजर रख रहे हैं। पोप को सभा को संबोधित करने के लिए शुक्रवार को सीओपी 28 सम्मेलन में जाना था।

रक्तदान शिविर 119 यूनिट रक्त का हुआ संचय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां रविवार को पांच रोड स्थित स्थानीय गुजराती समाज मंडपम में बहुचर्चित हिन्दीभाषी चालीस पार पुरुषों के समूह सुपर फोर्टी ने अपने स्थापना की प्रथम वर्षगांठ पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जैन, अग्रवाल, गुजराती, महेश्वरी, ब्राह्मण, प्रजापति आदि समाज के सदस्यों से सुसज्जित यह ग्रुप एक वर्ष पूर्व केवल आपस में क्रिकेट खेलने के बहाने बना था परंतु धीरे-धीरे इसमें जुड़े सदस्यों की प्रतिभाओं को देख कर खूब निखार आता गया और न जाने कब यह टोली केवल एक खेल का ग्रुप न रहकर सक्रिय सामाजिक ग्रुप में तब्दील हो गया, पता ही नहीं चला।

इस रक्तदान शिविर का उद्घाटन सेलम की डीआईजी ऑफ पुलिस राजेश्वरी (आईपीएस) के कर कमलों से दीप प्रज्वलन द्वारा हुआ। इस अवसर पर सीमा गुप्ता, मिनल पटेल, प्रगति गुप्ता, श्वेता अग्रवाल गर्ग, राधा शर्मा आदि महिलाओं ने मुख्य अतिथि के स्वागत तथा अभिनंदन में भाग लिया। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, गुजराती समाज के अध्यक्ष राकेश पटेल और तेरापंथी समाज के अध्यक्ष राजेश भंसाली ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई। सुबह साढ़े नौ से दोपहर एक तक मगा ब्लड बैंक के निरीक्षण में चले इस शिविर में कुल एक सौ उन्नीस युनिट रक्त का संकलन हुआ। सुपर फोर्टी की ओर से रक्त दाताओं के लिए जूस, नारियल पानी, अल्पाहार की सुंदर व्यवस्था थी तो प्रयास को सफल बनाने में रक्तदान से सहयोग करने वालों को भेंट स्वरूप एक एक पौधा वितरित किया गया।

शिविर प्रभारी अमित गुप्ता, सुनील शर्मा और राकेश पटेल ने सभी रक्त दाताओं और सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट किया।

दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। यहां जारी एक अधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने रविवार को डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में आयोजित 'विश्व दिव्यांग दिवस' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि ऋषि अष्टावक्र, मध्यकालीन संत सुकरात, वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग और जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य इसके उदाहरण हैं। योगी ने कहा, चीन में संपन्न हुए पैरा एशियाई खेलों को ही देखें तो हमारे पैरा खिलाड़ियों ने 111 मेडल जीते हैं।

उन्होंने कहा कि सामान्य नागरिक की तुलना में दिव्यांगजनों का प्रदर्शन हमेशा बेहतरीन रहता है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनियाभर के दिव्यांगजनों को सम्मान देने के लिए उन्हें विकलांग की जगह एक नया शब्द दिव्यांग दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम देश में लागू किया था। उसी कड़ी में राज्य सरकार के द्वारा भी इस अधिनियम को पूर्ण रूप से अंगीकार किया गया।

उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने दिव्यांगजन कल्याण से जुड़ी हुई योजनाओं की धनराशि में वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि पहले दिव्यांगजनों को 300 रुपये प्रतिमाह पेंशन की सुविधा मिलती थी, वर्तमान में इसे बढ़ाकर 1000 रुपये मासिक कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के लगभग 10 लाख दिव्यांगजन इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। योगी ने कहा कि 2016-17 के बजट में प्रदेश के दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए मात्र 312 करोड़ रुपये का प्रावधान था। वर्तमान में प्रदेश सरकार ने इसे बढ़ाकर 1120 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां दिव्यांगजनों के लिए दो विश्वविद्यालय संचालित हैं।

अन्नदान सेवा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में राजस्थान परिषद ने मासिक सेवा आयाम के अन्तर्गत केजी रोड स्थित पूज सिंधी पंचायत में कमलेश डूंगरवाल एवं भरत डूंगरवाल के सौजन्य से ज़रूरतमंद लोगों के लिए अन्नदान सेवा का कार्यक्रम रखा गया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ पूज सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राम कपाई ने भगवान राधा कृष्ण की प्रार्थना के साथ किया। लगभग 250 लोगों ने अन्नदानम का लाभ लिया। परिषद की और से उपाध्यक्ष उमेद नाहटा, प्रकाश कुंडलिया, सहमंत्री रणजीत राखेचा, कोषाध्यक्ष पंकज बैद एवं प्रियंका कुंडलिया उपस्थित थे।

भाजपा की तीन राज्यों में जीत पर प्रवासी झूम उठे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान, मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में जीत के साथ ही राजस्थान के पाली जिले में भाजपा के सोजत से शोभा चौहान, मारवाड़ जंक्शन से केसाराम सीरवी, सुमेरपुर से जोराराम कुमावत, जैतारण से अविनाश गहलोत, बाली से पुष्पेन्द्रसिंह राणावत, सिरोही से ओटाराम देवासी भाजपा की प्रचंड जीत पर शहर के बेलन्दूर एवं देवरबिशनहल्ली क्षेत्र में प्रवासी भाजपा कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम, भारत माता की जय तथा मोदी है तो मुमकिन है आदि नारे लगाते हुए खुशी का इजहार किया।

सभी ने एक-दूसरे को बधाई देकर मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएं दी।

जीत का जश्न — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मदुरै में राजस्थानी प्रवासियों ने राजस्थान में विधानसभा चुनाव की जीत का जश्न रविवार को मनाया गया। मदुरै में बाड़मेर, जालोर, जोधपुर सहित अनेक क्षेत्रों के प्रवासी राजस्थानी समाज ने अपने अपने क्षेत्र में प्रत्याशी की जीत का आतिशबाजी कर आपस मे एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी व खुशी जाहिर कर जीत का जश्न मनाया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.